R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

वर्ष : 11
अंक : 269
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

3 जनमत का अपमान करने वाली भाजपा को जनता सिखायेगी सबक : अखिलेश

लखनऊ, सोमवार, 11 जुलाई 2021

बिहार में जनादेश का अपहरणकर्ता अपराधियों का रोल मॉडल : लालू 8

संक्षिप्त- समाचार

पद्म पुरस्कार के लिए नामांकित करने की मोदी की अपील

नई दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जनता का आह्वान किया कि वे पद्म पुरस्कार के लिए ऐसे प्रेरणादायी शख्यियतों को नामांकित करें , जो जमीनी स्तर पर असाधारण काम कर रहे हैं लेकिन अधिक प्रसिद्ध नहीं हैं ।श्री मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, देश में ऐसे भी कुछ प्रतिभाशाली लोग हैं, जो जमीनी स्तर पर असाधारण काम कर रहे हैं। लेकिन उनके बारे में बहुत कुछ देखा या सुना नहीं गया है। क्या आप ऐसे प्रेरक लोगों को जानते हैं? आप उन्हें पद्म पुरस्कार के लिए नामांकित कर सकते हैं। ऑनलाइन नामांकन 15 सितंबर तक खुले रहेंगे ।उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस-2022 पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है ।कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में इस बार नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल होगी।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राहुल का तंज

नई दिल्ली वार्ता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर तंज करते हुए रविवार को कहा कि मंत्रियों की संख्या तो बढ़ा दी गयी है लेकिन कोरोना वैक्सीन की संख्या घट रही है ।श्री गांधी ने वैक्सीन कहां है हैश टैग के साथ ट्वीट कर सरकार से कहा, मंत्रियों की संख्या बढ़ी है, वैक्सीन कि नहीं ।इसके साथ ही उन्होंने एक खबर का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि देश में हर दिन 88 लाख टीके लग रहे हैं। ऐसे में दिसंबर तक इस रफ्तार से महज 60 फीसदी आबादी को ही टीका लगाया जा सकेगा।

कंधार में भारतीय महावाणिज्य दूतावास बंद नहीं हुआ: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली वार्ता। सरकार ने आज उन खबरों का खंडन किया, जिनमें कहा गया है कि अफगानिस्तान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण कंधार में भारतीय महावाणिज्य दूतावास बंद कर दिया गया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के सवालों के जवाब में स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान में सरकारी सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच भीषण हिंसा के बीच कंधार स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में तैनात भारतीय कर्मचारियों को अस्थायी रूप से वापस बुलाया गया है तथा स्थानीय कर्मचारियों के माध्यम से मिशन काम कर रहा है।

श्री बागची ने कहा,भारत अफगानिस्तान में तेजी से बदल रही सुरक्षा स्थिति पर पैनी नज़र रखे हुए है। हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। कंधार में भारतीय महावाणिज्य दूतावास को बंद नहीं किया गया है। हालांकि कंधार शहर के पास भीषण संघर्ष के कारण भारत के कर्मचारियों को फिलहाल वापस बुला लिया गया है। उन्होंने कहा,मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि यह पूरी तरह से अस्थायी कदम है जो हालात में स्थिरता आने तक के लिए है। भारतीय मिशन स्थानीय कर्मचारियों के माध्यम से संचालित हो रहा है।

छत्तीसगढ़: हाईकमान चाहे तो इस्तीफे को तैयार हूं

प्रियंका से मुलाकात के बाद बोले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

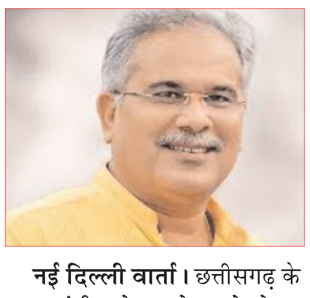

नई दिल्ली वार्ता। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लेकर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। रविवार को वे दिल्ली पहुंचे और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि यदि पार्टी हाई कमान किसी और को मुख्यमंत्री बनाना चाहता है तो वह इसके लिए तैयार हैं।

सोनिया गांधी के निवास 10 जनपथ में प्रियंका गांधी से मुलाकात के बाद बघेल ने कहा कि उन्होंने हाई कमान के कहने पर ही छत्तीसगढ़ के सीएम पद की शपथ ली थी। यदि हाईकमान कहेगा तो वे पद छोड़ने को तैयार हैं।

ढाई साल के सीएम यह बात कही

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मुलाकात सोनिया गांधी से नहीं, महासचिव प्रियंका गांधी के साथ हुई है। ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनाए जाने की शर्त को लेकर चल रही अटकलों पर बघेल ने कहा कि हाई कमान ने मुझे शपथ लेने को कहा था, इसलिए मैंने ली। जब वह कहेंगे कि कोई और मुख्यमंत्री बनेगा तो ऐसा ही होगा। इस तरह के समझौते (ढाई साल सीएम) गठबंधन सरकार में होते हैं।

यूपी चुनाव की जिम्मेदारी लेने को तैयार

10 जनपथ के बाहर पत्रकारों से चर्चा में बघेल ने कहा कि वह अगले साल उत्तर प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। बघेल ने कहा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास दो-तिहाई बहुमत है। मैंने प्रियंका गांधी जी से मुलाकात की अब पीएल पुनिया जी से मिलना है। यदि हाई कमान मुझे आने वाले यूपी चुनाव में जिम्मेदारी देता है तो मैं इसके लिए तैयार हूं।

सीएम बदलने का कोई फॉर्मूला नहीं - पूनिया

हालांकि, इस बीच छत्तीसगढ़ के प्रभारी पीएल पूनिया ने एएनआई को बताया कि कुछ साल में मुख्यमंत्री बदलने का कोई फॉर्मूला नहीं है। ऐसे फॉर्मूले गठबंधन सरकार में होते हैं। छत्तीसगढ़ में तो कांग्रेस सरकार के पास तीन चौथाई बहुमत है।

भाजपा की आदत है दूसरों पर आरोप लगाना

छग के सीएम बघेल ने कहा कि भाजपा की दूसरों पर आरोप लगाने की आदत है।

जनसंख्या नियंत्रण मिशन पर टकराव देश, समाज के हित में नहीं: नकवी

लखनऊ ब्यूरो। वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि जनसंख्या नियंत्रण के मिशन पर सांप्रदायिकता और सियासत के बीच टकराव देश एवं समाज के हित में नहीं है।

रामपुर के दो दिवसीय पर रविवार को यहां आये श्री नकवी ने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जनसंख्या नियंत्रण का अभियान देश और वक्त की जरूरत है तथा हर्ष की बात है कि देश में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान को शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, जो लोग इस अभियान पर सांप्रदायिकता और सियासत का तड़का लगाने की कोशिश कर रहे हैं, वे देश और समाज के साथ प्रदेश के हितों के भी विरोधी हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का यह कदम स्वागत योग्य है कि उन्होंने राज्य के हित में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। यह कदम आने वाली पीढ़ियों और समाज के लिए बहुत बड़ा उपकार और उपहार साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के इस मिशन को किसी धर्म विशेष से जोड़ने की हिमाकत करने वाले लोग अपनी विकृत मानसिकता और सांप्रदायिक सोच को थोपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा , हमारी जिम्मेदारी है कि जनता ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ हमें चुना है, हम उस कसौटी पर खरे उतरें। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि जिसने हमें वोट दिया है वह भी हमारा है और जिसने हमें वोट नहीं दिया है वह भी हमारा है।

यूपी- सीएम योगी ने जनसंख्या नीति का किया एलान

नई जनसंख्या नीति का मकसद खुशहाली और समृद्धि: योगी

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बढ़ती जनसंख्या को विकास में बाधक बताते हुये कहा कि नयी जनसंख्या नीति का उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने का है।

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर रविवार को नई जनसंख्या नीति को जारी करने के अवसर पर उन्होने कहा कि किसी भी देश अथवा राज्य में जनसंख्या में बढ़ोत्तरी गरीबी का मुख्य कारक हो सकता है। इससे विकास की संभावनाये क्षीण होती है। जनसंख्या नियंत्रण पर पिछले चार दशकों के दौरान कई बार विचार विमर्श हुआ और इस अवधि में जिस भी राज्य अथवा देश ने जनसंख्या वृद्धि पर लगाम कसी,वहां इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

उन्होने कहा कि समाज के विभिन्न तबकों को ध्यान में रखकर उनकी सरकार नई जनसंख्या नीति को लागू करने का काम कर रही है। राज्य विधि आयोग ने इसका मसौदा तैयार कर लिया है जिस पर जनता के सुझाव मांगे गये है। जनता से मिले सुझाव के आधार पर सरकार जनसंख्या नीति को अंतिम रूप देगी।

श्री योगी ने कहा कि बढ़ती आबादी के दुष्प्रभाव को लेकर सरकार आम लोगों को जागरूक करेगी। इस सिलसिले में विभिन्न स्तरों पर जागरूकता अभियान चलाये जायेंगे जिसमें विभिन्न विभागों का सहयोग लिया जायेगा। नयी जनसंख्या नीति को लागू करने के समय यह ध्यान रखा जायेगा कि इसे देश का जनसांख्यिकीय संतुलन न प्रभावित हो।

इस मौके पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने कहा कि यदि प्रदेश की नई जनसंख्या नीति को ठीक से लागू किया गया तो वर्ष 2052 तक उत्तर प्रदेश जनसंख्या स्थिरीकरण की ओर बढ़ेगा। नई नीति में वर्ष 2026 तक जन्मदर को प्रति हजार आबादी पर 2.1 तक तथा वर्ष 2030 तक 1.9 तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। 11 से 19 वर्ष के किशोरों के पोषण, शिक्षा व स्वास्थ्य के बेहतर प्रबंधन के अलावा, बुजुर्गों की देखभाल के लिए व्यापक व्यवस्था भी की जाएगी। नई नीति में आबादी स्थिरीकरण के लिए स्कूलों में हेल्थ क्लब बनाये जाने का प्रस्ताव भी शामिल है।

आपको बता दें कि विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री आवास पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का उद्घाटन भी किया गया है।

इससे पहले सीएम योगी ने विश्व जनसंख्या दिवस पर कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या समाज में व्याप्त असमानता समेत प्रमुख समस्याओं का मूल है। समुन्नत समाज की स्थापना के लिए जनसंख्या नियंत्रण प्राथमिक शर्त है। उन्होंने इस विश्व जनसंख्या दिवस पर लोगों से जनसंख्या से बढ़ती समस्याओं के प्रति स्वयं व समाज को जागरूक करने का प्रण लेने की अपील की।

उन्होंने बढ़ती जनसंख्या को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास के लिए इसकी वृद्धि दर को नियंत्रित करना जरूरी है। सभी लोगों को बेहतर सुविधा देने के लिए जनसंख्या घनत्व को कम करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि छोटा परिवार ही खुशहाली का आधार हो सकता है।

शरद पवार ने भी की हिमायत, बोले- देश की बेहतरी के लिए नियंत्रण जरूरी

नई दिल्ली वार्ता। विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश में आबादी नियंत्रण के लिए योगी सरकार ने नई नीति घोषित की है। वहीं राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भी इस मौके पर बयान जारी कर देश की आबादी नियंत्रित करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इसी से देश की बेहतरी होगी। यूपी सरकार की नई जनसंख्या नीति से देशभर में बढ़ती आबादी पर काबू पाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की जरूरत पर बहस छिड़ गई है। ऐसे में राकांपा प्रमुख पवार के बयान ने इस और बल दिया है। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था, बेहतर रहन-सहन और पर्यावरण संतुलन के लिए आबादी पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। पवार के बयान से लगता है कि अन्य दल भी इस मामले में आवाज मुखर कर सकते हैं ।पवार ने बयान जारी कर कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर देश के प्रत्येक नागरिक को यह शपथ लेनी चाहिए कि वह जनसंख्या नियंत्रण में अपना योगदान देगा। बेहतर देश और बेहतर जनजीवन के लिए यह बहुत ही जरूरी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई जनसंख्या नीति 2021-30 जारी कर दी है। सीएम योगी ने पूरी दुनिया में बढ़ती जनसंख्या पर चिंता जताई है। सीएम योगी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या विकास में बाधा है। यूपी में जारी नीति समस्या का समाधान करेगी। इसमें हर तबके का ध्यान रखा गया है। सीएम योगी ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास जरूरी हैं। कई दशकों से बढ़ती जनसंख्या पर चर्चा हो रही है। पिछले चार दशकों से इस पर चर्चा चल रही है।

फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम बोले- इस सियासी खेल में नहीं फंसेगा मुसलमान

नई दिल्ली वार्ता।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंख्या नियंत्रण नीति की घोषणा कर दी है। मुस्लिम समुदाय में इस जनसंख्या नियंत्रण कानून पर बेहद सधी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने कहा है कि यह कानून एक सियासी खेल है और मुसलमान इसमें नहीं फंसेगा। शाही इमाम ने अमर उजाला से कहा कि यह कानून बहुसंख्यक वर्ग को लामबंद करने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है। वे इसका न तो विरोध करेंगे और न ही इसका स्वागत करेंगे। लेकिन अगर पूरे देश के लिए एक समान कानून लाया जाता है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि यह सबके लिए एक जैसा होगा।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने से जमीन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। जनसंख्या नियंत्रण के लिए शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना ज्यादा कारगर कदम साबित होता। अगर दूसरे कानूनों की तरह इस कानून के बनने के बाद भी इसका पालन नहीं हुआ तो फिर इसका कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मुफ्ती अतीक बस्तावी का कहना है कि बोर्ड जनसंख्या नियंत्रण कानून पर बारीकी से नजर रख रहा है। कानून का अंतिम प्रारूप सामने आने के बाद वह इसका अध्ययन कर इस पर अपनी रणनीति बनाएगा। इसके लिए बोर्ड की बैठक में उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में यह बात देखी गई है कि जहां भी शिक्षा ज्यादा हुई है वहां पर लोग खुद ही कम बच्चे पैदा करने लगते हैं।

एटीएस को मिली बड़ी सफलता

लखनऊ से दो आतंकवादी गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में दुबग्गा इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस और एटीएस की टीमों ने एक घर को घेर किया। बताया जा रहा है कि यहां एक घर में पुलिस और एटीएस को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। पूछताछ के बाद अलकायदा के दो संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया गया है।

दुबग्गा के पास काकोरी में,ङ्मस का सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। यहां पर फरीदी नगर में कुछ संदिग्ध लोगों के छिपे होने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस और एटीएस की टीमें पहुंची। बताया जा रहा है कि कि जिन दो लोगों को हिरासत में लिया गया है वे अलकायदा के आतंकी हैं। इनका हैंडलर पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा से बताया जा रहा है।

चारों तरफ से की गई घेराबंदी

जिस घर में संदिग्ध छिपे होने की सूचना है। उन्हें घर के अंदर नजरबंद कर दिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। घर के चारों तरफ भारी पुलिस फोर्स मौजूद है। घर के चारों तरफ से घेराबंदी की गई है। घर के आसपास की सड़कें बंद कर दी गई हैं ताकि इलाके से कोई बाहर न आ सके और न ही बाहर का कोई शख्स अंदर जा सके।

खाली कराया गया इलाका

किसी बड़ी अनहोनी से बचने के लिए पुलिस और एटीएस की टीमों ने मकान के आसपास के इलाके को पहले ही खाली करा लिया है। लोगों को यहां आने-जाने से रोका जा रहा है। आसपास मकानों के लोगों को बाहर निकाल लिया गया है।

बम निरोधक दस्ता भी पहुंचा

बताया जा रहा है कि मौके पर एटीएस के कमांडो भी हैं। इसके साथ बम निरोधक दस्ता भी मौजूद है। आशंका है कि संदिग्धों के पास विस्फोटक सामग्री हो सकती है इसलिए एटीएस बम निरोधक दस्ता अपने साथ ले गई। मौके से कुछ विदेशी असलहे भी बरामद हुए हैं।

मलिहाबाद में रहता है मकान मालिक

बताया जा रहा है कि पुलिस और एटीएस ने जिस मकान को घेरा है, वह मकान मलिहाबाद के शाहिद नाम के युवक का है। कहा जा रहा है कि उसने यह मकान पंद्रह साल पहले खरीदा था। बीते दिनों यहां वसीम नाम का एक संदिग्ध युवक नजर आ रहा था।

उन्होने बताया कि गिरफ्तार आतंकवादियों के कब्जे से दो प्रेशर कुकर बम और अर्धनिर्मित बम एवं बारूद बरामद होने की सूचना है जिसे निष्क्रिय करने के लिये बम डिस्पोजल स्कावाड बुलाया गया है। आतंकवादी यहां किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिये छिपे थे।

लगातार बढ़ती महंगाई पर मायावती चिंतित बोली-

गंभीर होकर सोचें सभी सरकारें

लखनऊ ब्यूरो। देश में लगातार बढ़ती महंगाई पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गहरी चिंता जताई है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के साथ ही राज्यों की सरकार को भी इस पर गंभीर होकर मंथन करने की सलाह दी है।

इंटरनेट मीडिया पर बेहद सक्रिय मायावती ने रविवार को दो ट्वीट में केंद्र के साथ राज्य सरकार को बढ़ती महंगाई पर आड़े हाथ लिया। मायावती ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस व दूध आदि जैसी रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की कीमतें जिस प्रकार से लगातार तेजी से बढ़ रही हैं उससे महंगाई आसमान छूकर यहां के लोगों का जीवन दुखी व त्रस्त कर रही है। इसके बाद भी सरकारें इसके प्रति गंभीर व चिन्तित नहीं हैं। क्यों, यह तो अति-दुखद है।

मायावती ने कहा कि देश में हर तरफ छाई गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि की समस्या से प्रभावी तौर पर निपटने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को भी अपनी पूरी शक्ति व संसाधन इसके निदान में लगा देना जरूरी है। जिससे देश को निराशा के माहौल से निकाल कर विकास को सही पटरी पर लाया जा सके।

मायावती ने इससे पहले शनिवार को उत्तर प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था पर हमला बोला था। मायावती ने कहा कि यूपी में वर्तमान भाजपा सरकार में भी कानून का नहीं बल्कि जंगलराज चल रहा है, जिसके तहत यहां पंचायत चुनाव में हुई असंख्य हिंसा व लखीमपुर खीरी की एक महिला के साथ की गई बदसलूकी भी अति-शर्मनाक। क्या यही इनका कानून का राज व लोकतंत्र है। यह सोचने की बात है। अब आजमगढ़ जिले की तरह चंदौली जिले के बर्थरा खुर्द गांव में भी दलितों के घरों को उजाड़ना व उत्पीड़न आदि करना क्या यही इनका दलित प्रेम है। दुःख यह भी है कि अभी भी केंद्र व यूपी सरकार के दलित मंत्री चुप हैं।

15 अगस्त के पहले शहरों को दहलाना चाहते थे आतंकी एडीजी

लखनऊ ब्यूरो।यूपी के एडीजी प्रशांत कुमार ने बताया कि लखनऊ से गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादी अलकायदा समर्थित अंसार गजवातुल हिंद संगठन से जुड़े हुए थे। ये लोग 15 अगस्त से पहले शहरों को दहलाने की योजना बना रहे थे। एटीएस को इनके पास से विस्फोटक बरामद हुआ है।

पाक में है इनका आका

लखनऊ में एटीएस की कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादी अलकायदा समर्थित गजवातुल हिंद संगठन से जुड़े हुए थे। यह संगठन उमर नामक एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था।

यूपी के एडीजी के अनुसार, अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन पेशावर व क्वेटा से संचालित किया जा रहा था ।उन्होंने कहा कि उमर लखनऊ में जेहादी प्रवृत्ति के लोगों को तैयार कर रहा था। उन्होंने बताया कि मिनहाज अहमद और मशीरुद्दीन उर्फ मुशीर इस संगठन के सदस्य हैं। ये लोग 15 अगस्त से पहले शहरों में अलग-अलग जगह धमाके की योजना बना रहे थे ।एडीजी ने बताया कि इनपुट के आधार पर मिनहाज के घर से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया है।

एडीजी ने कहा कि सूचना मिलने पर एक टीम द्वारा मिनहाज अहमद के लखनऊ स्थित घर पर दबिश दी गई तो वह घर पर मिला। उसके घर से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ। एटीएस को उसके घर से एक पिस्टल व आईईडी बरामद हुई। वहीं, प्राप्त हुए आईईडी को बीडीडीएस की मदद से निष्क्रिय कराया जा रहा है ।दूसरी टीम के द्वारा अभियुक्त मशीरुद्दीन के लखनऊ स्थित घर पर दबिश दी गई। उसके घर से भी भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ। एडीजी के अनुसार दोनों अभियुक्तों से एटीएस पूछताछ कर रही है ।उन्होंने बताया कि अन्य टीमों द्वारा इन आतंकवादियों के सहयोगियों की तलाश हेतु अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही है। पूछताछ के दौरान हिरासत में हिए गए अभियुक्तों द्वारा अपने सहयोगियों के घर से भाग जाने की बात कही गई है। जिसके आधार पर एटीएस की टीम इन इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चला रही है।

यूपी में कोरोना कर्फ्यू अब रात दस से सुबह छह बजे तक

लखनऊ संवादाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की लगातार बेहतर होती स्थिति के बीच रात्रिकालीन कर्फ्यू में सरकार ने और ज्यादा राहत देते हुये इसकी समय सीमा रात दस बजे से सुबह छह बजे के बीच तय की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि कोरोना संक्रमण की बेहतर होती स्थिति को देखते हुए रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू अब रात्रि 10 बजे से प्रात: छह बजे तक प्रभावी रखा जाए।

उन्होने बताया कि प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की स्थिति नियंत्रण में है। संक्रमण दर न्यूनतम स्थिति में है। बीते 24 घंटे 2.40 लाख कोविड सैम्पल की जांच की गई और पॉजिटिविटी दर 0.04 प्रतिशत रही। प्रदेश में अब तक 06 करोड़ 06 लाख 17 हजार से अधिक टेस्ट हो चुके हैं। यह देश में किसी एक राज्य द्वारा की गई सर्वाधिक कोविड टेस्टिंग है। शनिवार को 29 जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं पाया गया, जबकि 45 राज्यों में इकाई अंक में मरीज पाए गए। केवल एक ही जिला ऐसा रहा जहां दहाई अंक में कोविड संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई।

श्री योगी ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 125 नए मरीजों की पुष्टि हुई है, जबकि 134 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। वर्तमान में 1,594 एक्टिव केस हैं। प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर और बेहतर होकर 98.6 फीसदी हो गई है। अब तक 16 लाख 83 हजार से अधिक प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं।

उन्होने बताया कि शनिवार को सुल्तानपुर जिले में 20 कोरोना संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। सभी एक ही परिवार से संबंधित हैं। प्रारंभिक ट्रेसिंग में हाल ही में इनके महाराष्ट्र से वापसी की जानकारी मिली है। इन कोविड से संक्रमित मरीजों के सैम्पल की जीनोम सिक्केंसिंग कराई जाए। संबंधित ब्लॉक में ट्रेसिंग और टेस्टिंग तेज की जाए। जिले में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

प्रदेश में कोविड टेस्टिंग का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। अब तक 03 करोड़ 71 लाख से अधिक वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी है। इनमें 03 करोड़ 13 लाख 68 हजार से अधिक लोग पहली डोज लेने वाले हैं। कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के बीच बच्चों के नियमित टीकाकरण की प्रक्रिया भी सुचारू रूप से चलती रहे। हर जिले में बच्चों के वैक्सीनेशन की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक प्रबंध किए हैं। कोविड वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए।

शराब बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश,आठ गिरफ्तार

बागपत,संवादाता। उत्तर प्रदेश की बागपत पुलिस ने कोतवाली इलाके से अवैध रुप से नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए उसके आठ संचालकों को गिरफ्तार कर लिया और मौके से बड़ी मात्रा में शराब और अन्य सामान बरामद किया।बागपत शहर के पुलिस उपाधीक्षक अनुज मिश्रा ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोतवाली बागपत प्रभारी निरीक्षक नौवेन्द्र सिंह सिरोही और क्राइम ब्रान्च की टीम प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में संयुक्त रुप से पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कल रात करीब दस बजे लक्ष्य पब्लिक स्कूल के पास खंडहर के पास अवैध शराब फैक्ट्री संचालित करने वाले आठ लोगों गाजियाबाद निवासी रवि ,बागपत निवासी जितेन्द्र,नोएडा निवासी संजीत कुमार,ब्रिजेश और शानू के अलावा शामिली निवासी मोनू ,शाहदरा दिल्ली निवासी चेतराम और उस्मानपुर दिल्ली निवासी छोटे को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे एवं निशादेही पर 900 लीटर अवैध नकली शराब,बड़ी मात्रा में नकली शराब बनाने के उपकरण विभिन्न मार्का रैपर-73,592, खाली बोतल, ढक्कन आदि) व घटना में प्रयुक्त पांच चार पहिया वाहन बरामद हुये।

उप्र की14 सेन्ट्रल जेलों में बंद सजायाफ्ता बंदियों को मिलेगी अब उच्च शिक्षा

बरेली,संवादाता। नई शिक्षा नीति के तहत राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की 14 सेन्ट्रल जेलों में बंद सजायाफ्ता बंदियों को स्नातक और परास्नातक स्तर की उच्च शिक्षा देगा।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के क्षेत्रीय कोआर्डिनेटर डॉ.आरबी सिंह ने बताया कि अब बंदियों के जेल में ही रहकर कैरियर बनाने का मौका मिलेगा। इस कड़ी में राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय की ओर से प्रदेश की 14 जेल के बंदियों को उच्च शिक्षा देने की पहल शुरू की है। इस सत्र से जेल के बंदी जो इंटरमीडियट पास हो चुके है उनको उच्च शिक्षा की पढ़ाई कराने के लिए मौका दिया जाएगा। इसके लिए जेल में ही बंदियों को ऑनलाइन क्लास की भी व्यवस्था रहेगी और बंदियों को पढ़ाई करने के लिए कॉपी-किताबे आदि सामान भी मुहिया कराया जाएगा। ।

उन्होंने बताया कि अभी तक सजा काट रहे बंदियों को जेल में ही रहकर हाईस्कूल और इंटरमीडियट तक की ही पढ़ाई करने का मौका मिलता था। लेकिन अब नई शिक्षा नीति के तहत बरेली के साथ-साथ मेरठ, फतेहपुर, अयोध्या,आगरा गोरखपुर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, आजमगढ़, झांसी, फतेहगढ़ वाराणसी और इलाहाबाद की नैनी केन्द्रीय जेल के बंग बंदियों को स्नातक और परास्नातक स्तर की परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा।

श्री सिंह ने बताया कि बंदियों को जेल में ही परीक्षा केन्द्र का निर्धारण होता था और नियमों के साथ कक्ष निरीक्षक के बीच नकलविहीन परीक्षा कराई जाती थी। लेकिन अब राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से 12वीं के बाद बीए, बीकॉम, बीएससी, एमए, एमकॉम, और एमएससी के साथ साथ स्नातक और परास्नातक के आलावा अन्य प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्स करने का भी मौका देगा।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा लॉगटर्म कोर्स के साथ साथ शार्टटर्म कोर्स करने का भी मौका देगा डिग्री मिलने से बंदियों की मानसिकता में भी बदलाव होगा और आचरण अच्छा होने पर शासन के निर्देश पर सजा में भी छूट मिल सकती है। जिससे की जेल से बाहर आने पर डिग्री लेकर नई दिशा में कैरियर बना सकेगे ।

श्री सिंह ने बताया कि जेल में बंद बंदियों को पढ़ाई के साथ नैतिकता का भी पाठ पढ़ाया जाएगा। बंदियों की समय-समय पर अपराध की दुनिया से बाहर निकालने के लिए कांउसलिंग भी कराई जाएगी। इसके लिए देश के कई बड़े प्रोफेसर और विशेषज्ञ शामिल होंगे, बदियों को सिर्फ डिग्री देना ही नहीं इनके भविष्य और अपराधिक दुनिया से बाहर निकालना भी होगा। जिससे की सजा पूरी होने पर बंदी आसानी से प्रोफेशनल तरीके से अपना कैरियर आसानी से शुरू कर सके।

उन्होंने बताया कि बरेली की दोनों जेल में स्टडी सेंटर खोल दिये गये है। नई शिक्षा नीति के अनुसार जेल में उच्च शिक्षा के लिए सुविधा दी जा रही है। इसके लिए किसी भी बंदी से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। दोनों ही जेल से अब तक कई बंदियों ने पंजीकरण कराया है। प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जो कि सितंबर तक चलेगी। देश के कई बड़े प्रोफेसरों और विशेषज्ञ के माध्यम से समय समय पर बंदियों की काउंसलिंग कराई जाएगी।

श्री सिंह ने बताया कि जेल में ऐसे भी सजायाफ्ता कैदी है , जो हाईस्कूल भी नहीं हैं। वह जेल के अंदर दरी , जूता ,कालीन ,कपडा और फर्नीचर आदि बनाने का कार्य करते है , ऐसे सजायाफ्ता कैदियों को राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की ओर से योग्य डिजाइनरों ,विशेषज्ञों , इंजीनियरों से प्रशिक्षण दिलाया जायेगा , उन्हें प्रशिक्षण के बाद डिप्लोमा दिया जायेगा ,ताकि जेल से छूटने के बाद किसी बड़े वर्कशाप में बेहतर नौकरी मिल सके या अपना कारोबार कर सकें।

इटावा में एसपी को थप्पड़ मारने पर भाजपा नेता पर मुकदमा

इटावा, संवादाता।उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के बढ़पुरा इलाके में ब्लाक प्रमुख चुनाव के दौरान पुलिस अधीक्षक को थप्पड़ मारने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विमल भदौरिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा ब्रजेश कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि एसपी सिटी प्रशांत कुमार पर कातिलाना हमला कर गोलीबारी ओर उपद्रव करने वाले भाजपा नेता विमल भदौरिया समेत करीब सवा सौ लोगों के खिलाफ मुदकमा दर्ज किया गया है। बढ़पुरा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार शर्मा ने मुकदमा दर्ज कराया है।

उन्होने बताया कि भदौरिया समेत करीब 100-125 लोगों के खिलाफ धारा 147,148,149,323, 353,307,269, 270,188,51,57,3 ओर सीसीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ सबूत के तौर पर बड़े पैमाने पर साक्ष्य एकत्र किये गए है जिनका पुलिस अधिकारी अध्ययन करने में लगे हुए हैं।

डा सिंह ने बताया कि क्षेत्र पंचायत प्रमुख के निर्वाचन के दौरान उदी चैराहे पर स्थित बैरियर ड्यूटी पर दोपहर करीब एक बजे भारतीय जनता पार्टी के नेता विमल भदौरिया के नेतृत्व में करीब सौ सवा सौ लोग आए और बेरी केटिंग तोड़ने का प्रयास करते हुए ब्लाक परिसर की ओर आने का प्रयास किया ।पुलिस के रोकने पर उग्र भाजपाइयों ने आक्रामक हो करके पथराव शुरू कर दिया ।उग्र भाजपाई लाठी-डंडे हाथो मे पत्थर भी लेकर के आए थे । उग्र लोगों की ओर से फायरिंग भी की गई ।उग्र भाजपाइयों को रोकने की कोशिश एसपी सिटी प्रशांत कुमार ने की तो उन्हे गाली गलौज

हाथापाई करते हुए धक्का देकर के नीचे गिरा दिया जिससे वह घायल हो गए । वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने उन्हें बचाने का प्रयास किया तो इन लोगों ने उनके साथ भी गाली गलौज करते हुए मारपीट व हाथापाई कर लाठी-डंडों से प्रहार किया जिससे वहां पर भगदड़ मच गई।

उन्होंने बताया कि उपद्रवियों की ओर से किए गए फायर के 7 खाली खोको को भी पुलिस ने बरामद किया है । ईट,पत्थर,जूते,चप्पल लाठी-डंडे भी बरामद किए गए हैं । पुलिस ने कब्जे में लेकर के मुकदमा दर्ज किया है।शनिवार को ब्लाक प्रमुख पद के मतदान के दौरान एसपी सिटी प्रशांत कुमार को भाजपा नेता विमल भदौरिया की ओर से तमाचा मारे जाने का मामला सुर्खियो मे बना हुआ है। एसपी सिटी प्रशांत कुमार का जो वीडियो वायरल हुआ है उसमे वो साफ साफ कहते हुए देखे जा रहे है भारतीय जनता पार्टी की एमएलए श्रीमती सरिता भदौरिया और भाजपा अध्यक्ष अजय धाकरे की मौजूदगी मे विमल भदौरिया ने उनको थप्पड मारा है । यह लोग हाथो मे बम और गोले भी लेकर आये है ।विमल भदौरिया के खिलाफ एक दर्जन के आसपास अपराधिक मामले दर्ज है । उनकी हिस्ट्रीशीट भी बढपुरा थाने मे खुली हुई है । पुलिस रिकार्ड मे विमल भदौरिया को अपराध के जरिये आर्थिक धन संकलन का काम करना भी बताया गया है ।

पर्यावरण संतुलन के लिए किसान खेत की मेंड़ पर तुलसी भी लगाये- परमानंद गिरी

देवरिया,11 जुलाई (वार्ता) दत्तात्रेय धाम रूद्रपुर के संस्थापक स्वामी परमानंद गिरी ने कहा है कि अपने लाभ के लिए मनुष्य निरन्तर प्रकृति को हानि पहुंचाने पर आमदा है,इसी कारण आज पर्यावरण का सतुंलन खराब हो रहा है और इसके संतुलन के लिये किसान अपने खेतों में अन्य वृक्षों के साथ मेंड़ पर तुलसी के पौधे भी लगाये।

रविवार को रूद्रपुर के डीएन इन्टर कालेज में राष्ट्रीय स्वयं संघ द्वारा आयोजित पर्यावरण गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि स्वामी परमानंद गिरी ने कहा कि किसान अपने खेत के चारों तरफ मेड़ पर तुलसी का पौध लगायें तो किसान उसके औषधीय गुणों का लाभ उठाएंगे, साथ ही साथ खेत के मृदा को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि मुनि परम्परा में प्राचीन काल से ही पेड़ पौधों के संरक्षण के लिए व्यवस्था की गई,जिसकी आज भी आवश्यकता महसूस की जा रही है।उन्होंने कहा कि पीपल, पाकड़, बरगद आदि वृक्षों को लगाने के लिये तो सरकार जोर दे रही है,लेकिन सभी लोग अपने घर में अभियान चलाकर तुलसी का पौध जरूर लगवायें। इससे कई प्रकार के लाभ मिलेंगे। स्वामी ने कहा कि धर्म के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ा गया है। हमें पौध लगाना ही नहीं, बल्कि उन्हें लगा के फूल फल देने लायक बनाये तभी हम सबका कल्याण होगा।कार्यक्रम को शिवम सेवा संस्थान के सचिव मृत्युंजय प्रसाद विशारद ने कहा कि हम सबको प्रकृतिक संशाधनों का अत्यधिक दोहन नहीं करना चाहिए, प्राकृतिक संशाधनों का मितब्ययिता पूर्ण उपयोग करना चाहिए।

किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो रही है फूलों की खेती

सहारनपुर,संवादाता। फूलों का मानव जीवन से अटूट सम्बन्ध रहा हैं ,जिसकी जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी

संस्कारों तथा उत्सवों में उल्लेखनीय भूमिका रहती है और इसकी खेती किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो रही है।

किसी भी धर्म,जाति,वर्ग, क्षेत्र विशेष के उत्सवों, विवाह व विभिन्न संस्कार,त्यौहारों में फूलों की आवश्यकता होती है। रंग-बिरंगे सुगन्धित पुष्प जीवन में सुखद वातावरण का निर्माण करके प्रेरणा,स्फूर्ति तथा सृजनात्मक प्रवृतियों का विकास करते है। एक समय था जब फूलों की खेती करना तो दूर की बात, इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। समय के बदलाव के साथ-साथ परिस्थितियॉ भी बदली तथा फूलों को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप मानव ने उगाना शुरू किया।

विश्वस्तर पर फूलों की बढ़ती मांग के फलस्वरूप फूलों की खेती का व्यवसायीकरण पिछले कई दशकों में काफी बढ़ा है, और भारत में व्यापार के लिए फूलों की खेती के महत्व को भी समझा जाने लगा। आंकडों के अनुसार देश में करीब तीन लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल पर फूलों की खेती की जा रही है। फूलों की खेती खुले खेत में तथा ग्रीनहाउस में भी उत्पादन किया जा रहा है।

कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में भी अब बड़े पैमाने पर किसान फूलों की खेती कर रहे है और उससे उनकी आमदनी भी बढ़ी है। प्रदेश में खुले फूलों की खेती करने लिए गुलाब, गुलदाउदी, क्रोसेन्ड्रा,गेंदा,चमेली,रजनीगंधा, मोलिया, गैलारडिया, गोम्फरेना, कमल, कनेर तथा चाईना ऐस्टर आदि की खेती खुले वातावरण में की जाती हैं। इन फूलो के उत्पादन में भारत का दर्जा विश्व में दूसरा स्थान पर है। उत्तर प्रदेश समेत देश में लगभग 0.81 मिलियन टन फूलों का वार्षिक उत्पादन हो रहा है। उत्तर प्रदेश में खुले फूलों की खेती की जाती है। जिसके तहत किसानों को उद्यान विभाग द्वारा आवश्यक सहायता दी जाती है। कर्तित फूलों की खेती में मुख्यत: गुलाब, कारनेशन, गुलदाउदी, ग्लैडियोलस, लिलियम, जरबेरा, आर्किड, एन्थरियम, एलस्ट्रोरिया, टयूलिप इत्यादि की खेती खुले खेत एवं नियंत्रित वातावरण में की जाती है।

उन्होंने बताया कि उच्च श्रेणी के कर्तित फूलों कों मुख्यत: निर्यात किया जाता है जबकि इससे निम्न श्रेणी की गुणवत्ता वाले फूलों को घरेलू बाजार में बेचा जाता हैं कर्तित फूलों का उत्पादन प्रदेश में काफी हो रहा है। कर्तित फूलों के उत्पादन में सबसे महत्वपूर्ण योगदान कर्नाटक व उत्तर प्रदेश का है। फूलों के क्रय-विक्रय के लिए सुव्यवस्थित नीलामी घर भी उपलब्ध है तथा कई नये नीलामी घर प्रस्तावित पंक्ति में है। फूलों का प्रतिवर्ष निर्यात भारतवर्ष से लगभग 20703 मीट्रिक टन है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 500 करोड़ रूपये है। यूरोप, जापान, आस्ट्रेलिया, मध्यपूर्वी देशों में निर्यात किया जाता हैं। सूखे फूल अमेरिका, यूरोप, श्रीलंका, आस्ट्रेलिया, रूस एवं खाड़ी देशों में सुखे फूल एवं गमले वाले पौधों का निर्यात किया जा रहा है। इन सभी फूलों में से सूखे फूलों का निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है। फूलों से विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे माला, वेणी, गजरा, पुष्प-विन्यास, पंखुड़ी, गुलकन्द, गुलाब का अर्क, इत्र, पॉटपुरी ग्रीटिंग कार्ड, पेपर वेट, बुके आदि तैयार करते हुए विक्रय कर प्रदेश के किसान अपनी आय में वृद्धि कर रहे है।

ग्रामीणों ने जुड़वां कल्पवृक्ष के संरक्षण की सरकार से की अपील

महोबा,संवादाता। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के कबरई क्षेत्र में सैंकड़ो वर्ष पुराने जुड़वां कल्पवृक्ष के संरक्षण के

लिए ग्रामीणों ने आगे आकर उसके तने पर रक्षासूत्र बांध शासन से इस दुर्लभ धरोहर को बचाने की अपील की है।

महोबा मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर सिचोरा गांव में रविवार बच्चों ,महिलाओं व पुरुषों ने कल्पवृक्ष की विधिवत पूजा अर्चना की और उसे क्षेत्र के लिए सौभाग्य का प्रतीक बता इसकी हर सम्भव रक्षा का संकल्प लिया।

गौरतलब है कि पिछले दिनों इस कल्प वृक्ष के एक तने में दो वर्ष पहले फंगस लगा था ,जिससे उसका वह भाग खोखला होकर कमजोर हो गया और आधा हिस्सा टूट कर गिर गया था। कल्पवृक्ष के नष्ट होने की घटना से ग्रामीण काफी परेशान थे। उन्होंने शासन को पत्र भेज इज्के संरक्षण की मांग भी की थी।

सिचौरा के किसान सचिन खरे ने बताया कि राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) लखनऊ के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डा0 राम सेवक चौरसिया के दिशा निर्देशन में तने के अंदर दवा लगाई गई है और पालीथिन से उसे ढका गया है ताकि दवा बह न जाए। प्रशासन की ओर से कल्प वृक्ष के फंगस उपचार के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हालांकि जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने जरूर कृषि रक्षा इकाई की टीम भेजकर कुछ माह पहले फंगसग्रस्त तने में दवा का छिड़काव करवाया था लेकिन उससे कोई फायदा नहीं हुआ।

कल्प वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधने सिचौरा पहुंचे बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर ने बताया कि शासन एक तरफ़ वन महोत्सव के तहत लाखों पौधे रोपित करवा रहा है, लेकिन सैकड़ों साल पुराने हमारे दुर्लभ वृक्षों की देखभाल के प्रति पूरी तरह उदासीन है। सिचौरा के कल्प वृक्ष को विरासत वृक्षों की श्रेणी में रखा गया है। अगर उसके फंगस का उपचार जल्दी नहीं किया गया तो ज्यादा समय तक उक्त दुर्लभ कल्प वृक्ष का जीवित रहना मुश्किल है।

ऊंचाहार इलाके में किसान ने की आत्महत्या

रायबरेली,संवादाता। उत्तर प्रदेश में रायबरेली जिले के ऊंचाहार इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में एक बीमार किसान ने आज खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ऊंचाहार इलाके के मुरार मऊ गांव निवासी 50 वर्षीय किसान राकेश पासी काफी समय से बीमार चल रहा था । रविवार सुबह वह परिजनो को बगैर बताए अपने खेत गया और वहां आम के पेड़ पर नारियल की रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थित स्पष्ट होगी।

भाजपा को 11 में से 10 सीटों पर मिली जीत

सहारनपुर संवादाता। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में 11 खण्ड प्रमुखों के हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार और ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उसने पहली बार 11 में से 10 स्थानों पर विजय हासिल की।

पार्टी के प्रमुख नेता ठाकुर अनिल सिंह पुंडीर रणखण्डी ने शनिवार देर शाम बताया कि भाजपा उम्मीदवार चौधरी विश्वास कुमार ने सढ़ौली कदीम विकास खण्ड में हुए रौचक मुकाबले में विपक्षी उम्मीदवार सुमन चौधरी को सात मतों से हराया। सरसावा खण्ड प्रमुख के चुनाव में भाजपा समर्थित ताहिर हसन ने विपक्षी उम्मीदवार चौधरी केसर सिराज को 21 वोटों के अंतर से हराया। भाजपा ने सबसे बड़ी जीत नांगल खण्ड विकास के प्रमुख पद के चुनाव में की। जहां संजना चौधरी पत्नी रविंद्र चौधरी ने 83 मत प्राप्त किए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी लक्ष्य चौधरी को केवल 23 मत प्राप्त हुए।

रामपुर मनिहारान विकास खण्ड में भाजपा उम्मीदवार श्रीमती गीता रानी पत्नी विजय पाल ने जीत दर्ज की। यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। देवबंद विकास खण्ड के प्रमुख पद पर भी कांटे का मुकाबला हुआ जहां विपक्षी उम्मीदवार नीतिशा राणा पत्नी कार्तिकय राणा भाजपा उम्मीदवार ममता त्यागी से पराजित हो गई। यहां पर भाजपा विधायक बृजेश रावत की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी।

महिला का शव बरामद,हत्या की आशंका

प्रतापगढ़, संवादाता। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के कोहंडौर क्षेत्र में आज अतरसंड (गौरा) नहर में से एक महिला का शव बरामद किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्रामीणों की सूचना पर कोहंडौर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। उन्होंने बताया कि महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी । उसकी उम्र लगभग 35 वर्ष है। वह साड़ी पहने हुए है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि महिला की हत्या करके शव को नहर में फेंका गया है ।

दो पक्षों में झगड़े में एक व्यक्ति की मृत्यु

मिर्जापुर,संवादाता। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के पडरी क्षेत्र में आज जमीन संबंधी विवाद के चलते दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई।

पुलिस सूत्रो के अनुसार थानापुर गांव निवासी दलसिगार पटेल और उसके पट्टीदार संजय पटेल के बीच बांस काटने को लेकर विवाद हो गया । बात बढ़ने पर संजय पक्ष के लोगों ने 50 वर्षीय दलसिगार पर लाठी से प्रहार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर हालत दलसिगार को अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हो गये । इस संबंध में संजय एवं अन्य को नामजद किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

ब्लाक प्रमुख चुनाव में जीत के लिये भाजपा कार्यकर्ता बधाई के पात्र : मोदी

लखनऊ संवादाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में ब्लाक प्रमुख चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जीत का श्रेय सरकार की नीतियों और जनहित की योजनाओं को देते हुये कार्यकर्ताओं को बधाई दी है।

श्री मोदी ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुखों के चुनाव में भी भाजपा ने अपना परचम लहराया है। योगी आदित्यनाथ सरकार की नीतियों और जनहित की योजनाओं से जनता को जो लाभ मिला है, वो पार्टी की भारी जीत में परिलक्षित हुआ है। इस विजय के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री के बधाई संदेश के प्रति आभार जताते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया

आपकी शुभकामनाओं हेतु हार्दिक आभार आदरणीय प्रधानमंत्री जी। प्रदेश में क्षेत्र पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में भाजपा को मिली शानदार विजय आपकी लोक कल्याणकारी नीतियों का प्रतिफल, संगठन के कुशल मार्गदर्शन व प्रदेश सरकार के जनहितकारी कार्यों का सुफल है। सभी प्रदेशवासियों को बधाई।प्रदेश में आज सम्पन्न हुये ब्लाक प्रमुख के चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दल को 825 में से 635 से अधिक सीटों में जीत हासिल हुयी है जिसके बाद बधाइयों का तांता लगा हुआ है। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेषित बधाई संदेश में कहा उत्तर प्रदेश ब्लॉक प्रमुख चुनाव में भाजपा को मिली यह भव्य जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का प्रतिफल है। इस विजय पर योगी आदित्यनाथ, स्वतंत्र देव सिंह व पार्टी के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को बधाई।केन्द्रीय रेल मंत्री पियूष गोयल ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश के जिला एवं क्षेत्र पंचायत की 825 में से 635 से अधिक सीटों पर हो रही विजय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी औश्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों पर जनता के विश्वास की विजय है। इस जीत से स्पष्ट है कि जनता सुरक्षा, सुविधा व प्रगति के लिए समर्पित सरकार के साथ खड़ी है।

जेपी-अन्ना की तरह आंदोलन की राह पकड़ें अखिलेश: शिवपाल

इटावा संवादाता। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में सपा प्रत्याशी के साथ अभद्रता की घटना की निंदा करते हुए प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने अपने भतीजे एवं समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि प्रदेश भर में प्रदर्शन करने के बजाय वह लखनऊ में समाजवाद के जनक जयप्रकाश नारायण तथा अन्ना हजारे की भांति आंदोलन की शुरूआत करे।श्री यादव ने बसरेहर मे पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 2022 में जो सरकार बनेगी, उसकी चाबी प्रसपा के पास ही रहेगी। हमारे बिना कोई सरकार नहीं बना पाएगा। उन्होंने किसी दल का नाम लिए बगैर कहा कि हमारा गठबंधन किसी बड़े दल से जल्द होगा। अपनी कर्मस्थली जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में तीन निर्विरोध तथा एक मतदान से चारों ब्लाक प्रमुख बनने पर कहा कि प्रसपा को क्षेत्र जनता ने अपार समर्थन दिया है।उन्होने कहा कि मौजूदा दौर में फेसबुक, ट्विटर भी जरूरी हैं लेकिन चुनाव जीतने के लिए धरातल पर जनसंपर्क भी बेहद जरूरी है। चुनाव की रणनीति मतदाताओं की इच्छा के अनुरूप बनाई जाती है तभी सफलता मिलती है। ब्लाक प्रमुख चुनाव में प्रदेश में कई जगह हुई हिंसा को लेकर कहा कि सरकार अपने ही लोगों पर अंकुश लगाने में विफल रही जिससे अराजकता प्रकट हुई। इस गुंडागर्दी पर तत्काल प्रभाव से अंकुश लगना चाहिए अन्यथा हालात काफी भयावह होंगे।शिवपाल सिंह यादव और अखिलेश यादव के बीच चल रहा शीत युद्व लगातार जारी है । पिछले दिनो अखिलेश ने चाचा शिवपाल के लिए केवल जसवंतनगर सीट देने की बात कही है।

जनमत का अपमान करने वाली भाजपा को जनता सिखायेगी सबक : अखिलेश

लखनऊ ब्यूरो। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में गुंडागर्दी के बल पर जनमत का अपमान करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उत्तर प्रदेश की जनता विधानसभा चुनाव में सबक सिखाने को बेकरार है।

श्री यादव ने पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रविवार को कहा कि पुलिस और जिला प्रशासन के दम पर चुनाव जीतने के लिये भाजपा सरकार ने लोकतंत्र की मर्यादा का भी मान नहीं रखा। सपा प्रत्याशियों के नामांकन पत्र फाड़ दिये गये। भाजपा के नेताओं,कार्यकर्ताओं और पुलिस अधिकारियों ने उनकी पिटाई की। यहां तक कि पत्रकारों को भी नहीं बख्शा गया। भाजपा विधायक की मौजूदगी में पुलिस अधिकारी को सरेआम तमाचा मार कर बेइज्जत किया गया।उन्होने कहा कि इन चुनावों में सपा की हार नहीं हुयी है बल्कि जनमत का अपमान हुआ है और जनता के आगे भाजपा कुछ भी नहीं है। यही जनता भाजपा की तानाशाह सरकार को अगले विधानसभा चुनाव में सबक सिखायेगी।सपा अध्यक्ष ने कहा कि जनता के चुनाव में प्रधान, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्य सबसे ज्यादा सपा के प्रत्याशी जीते लेकिन उन्हे मताधिकार से वंचित किया गया। पुलिस अधिकारी नामांकन पत्र फाड़ने में ही व्यस्त रहे। हमारे कार्यकर्ताओ के हाथ पांव तोड़े गए। उन्हे फर्जी मुकदमे लगा कर जेल भेजा गया। यहां तक कि महिला प्रत्याशियों का सरेआम अपमान किया गया। उनके कपड़े फाड़े गये। लोकतंत्र में ऐसा नंगा नाच आज तक कभी नही हुआ।

उन्होने कहा कि लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने के बाद भाजपा के बड़े नेता और यहां तक मुख्यमंत्री एक दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दे रहे है। चुनाव सकुशल सम्पन्न कराने का दावा कर कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई दे रहे है। वास्तव में उन्हे बधाई जिलाधिकारियों और पुलिस प्रमुखों को देनी चाहिये जिनके दम पर भाजपा यह चुनाव जीती है।श्री यादव ने कहा कि उन्होने अपने राजनीतिक जीवन में कभी गुंडा शब्द का इस्तेमाल नहीं किया मगर जिस तरह जनमत का मजाक उडाया गया, उससे क्षुब्ध होकर वह इस शब्द का प्रयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने गृहनगर गोरखपुर में गुंडई का प्रयोग किया जिसके बाद पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी चरम पर रही। भारतीय जनता पार्टी से बड़ी गुंडा पार्टी कोई नही है।उन्होने कहा कि ऐसे पुलिस अधिकारी और जिला प्रशासन के लोग जो भाजपा कार्यकर्ता की तरह चुनाव में अपनी भूमिका निभा रहे थे। उनकी सूची बनकर तैयार है और उनकी सरकार आते ही ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

श्री यादव ने कहा कि कोविड के कठिन समय में योगी सरकार जनता की मदद करने में पूरी तरह विफल रही। आक्सीजन,बेड और दवा के अभाव में कई लोगों की जान चली गयी। दवा और इंजेक्शन की काला बाजारी जम कर हुयी। इसके बाद भी सरकार कोरोना से हुयी मौतों का आंकड़ा नहीं देना चाहती। पंचायत ड्यूटी में कोरोना से संक्रमित हुये कई कर्मचारी और शिक्षक जान गंवा बैठे और सरकार ने सिर्फ तीन शिक्षकों की मौत को माना मगर उनकी पार्टी और अन्य कर्मचारी संगठनो के दवाब में सरकार को स्वीकार करना पड़ा कि कोरोना से हुयी मौते कहीं ज्यादा थी।

युवक की सिर काटकर निर्मम हत्या

बांदा, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के नरैनी क्षेत्र में अज्ञात हमलावरो ने एक युवक की सिर काट कर निर्मम हत्या कर दी ,जिसका सिर नहर पटरी के किनारे झाड़ियों और धड़ कुएं में फेंक दिया।अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि रविवार को करतल कस्बे के निकट बिल्हरका गांव के मोड़ के पास अतर्रा थाने के तेरा गांव निवासी बबलू मिश्रा (35) का कटा सिर नहर की झाड़ियों में मिला जबकि धड़ खेत में एक कुएं से बरामद की गई।

उन्होंने बताया कि बबलू के माता-पिता नहीं है। वह बिल्हरका गांव में अपने मामा संतोष कुमार के यहां रहता था। शनिवार रात खाना खाकर वह अपने कमरे में सोने चला गया था।

पूर्व विधायक बसपा नेता डॉ. धर्मपाल सिंह साथियों के साथ सपा में शामिल

लखनऊ ब्यूरो। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व विधायक डॉ0 धर्मपाल सिंह अपने साथियों व समर्थकों के साथ आज समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए।

सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के समक्ष आगरा की एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक वरिष्ठ बसपा नेता डा0 सिंह के अलावा कुंवर चन्द पूर्व प्रत्याशी लोकसभा ग्रामीण क्षेत्र के नेतृत्व में आगरा के तमाम प्रमुख बसपा नेता, पंचायत सदस्य, पार्षद, ग्राम प्रधान आदि ने बसपा छोड़कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख लोगों में सर्वश्री सूबेदार निषाद जिला पंचायत सदस्य, सोनवीर सिंह और पूरन सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अशोक निषाद पार्षद नगर निगम, मखेन्द्र सिंह चौहान पूर्व जिलाध्यक्ष क्षत्रिय सभा, शिशु पाल सिंह सिकरवार जिला महामंत्री क्षत्रिय सभा आगरा आदि।

इस अवसर पर श्री यादव ने उम्मीद जताते हुए कहा कि डॉ0 धर्मपाल सिंह और उनके साथियों के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से पार्टी को भारी मजबूती मिलेगी। इनके सहयोग से पार्टी वर्ष 2022 के चुनावों में सरकार बनाएगी।

डॉ0 धर्मपाल सिंह ने कहा कि वे श्री यादव के विकास कार्यों से प्रभावित होकर सपा में शामिल हुए हैं। उनके साथ श्री कुंवर चंद ने भी कहा कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर समाजवादी पार्टी की मजबूती के लिए एकजुट होकर पूरी ताकत से कार्य करेंगे।

बीएसएल टू लैब और स्वास्थ्य केंद्र ऐप का योगी ने किया शुभारंभ

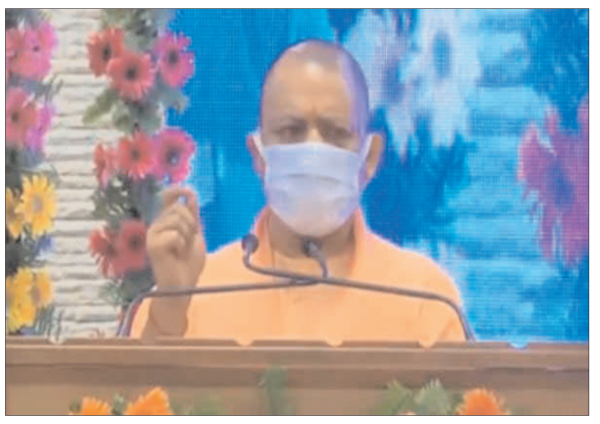

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 11 छोटे जिलों में बीएसएल-2 लैब और स्वास्थ्य केन्द्र ऐप का शुभारंभ किया।

नयी लैब के अस्तित्व में आने के बाद बिजनौर, मऊ, सिद्धार्थनगर, महोबा, सोनभद्र, कासगंज, कुशीनगर, अमेठी, औरैया, देवरिया, बुलंदशहर जिलों में अब आरटीपीआर की जांच हो सकेगी।

अधिकृत सूत्रों ने बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के कम होते केस के बावजूद योगी सरकार निरंतर जांच प्रक्रिया का विस?तार कर रही है। प्रदेश के 11 जिलों में बीएसएल-2 आरटीपीसीआर प्रयोगशालाओं का उद्घाटन के साथ अब 44 जिलों में आरटीपीसीआर प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। जल्द ही अन्य 30 जिलों में भी आरटीपीसीआर लैब स्थापित की जाएंगी वहीं, सीतापुर में बीएसएल टू लैब का निर्माण अंतिम चरण में है। इन नई प्रयोगशालाओं के बढ़ने से एक ओर जांच की संख्या में तेजी से इजाफा होगा वहीं ट्रिपल टी की नीति के तहत कोरोना की जांच से संक्रमण पर लगाम लगने के साथ ही कोरोना वायरस के नए वेरिएंट की पहचान हो सकेगी।

श्री योगी ने डिजिटल यूपी की ओर एक कदम और बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश को स्वास्थ्य केंद्र ऐप की सौगात दी है। अब प्रदेशवासियों को एक क्लिक पर अस्पतालों की जानकारी, दवाओं की उपलब्धता, मानव संसाधनों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। शहर से लेकर गांव के अस्पतालों के डाटा से लैस इस ऐप से लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। प्रदेश के 25 हजार से अधिक स्वास्थय केन्द्रों की डिजिटल मैपिंग करते हुए अलग-अलग पोर्टल पर मौजूद मानव संसाधन, दवा और कार्यक्रमों की सभी जानकारी को एकीकृत करते हुए इस ऐप को तैयार किया गया है। जिसमें प्रदेश स्तर से लेकर गांव स्तर तक के अस्पतालों का डाटा देखा जा सकेगा।

इस ऐप पर सीएचसी पीएचसी और सब सेंटर का डाटा देखा जा सकता है। ब्लॉक के अंदर जो सीएचसी है उससे जुड़ी सभी जानकारियां इस ऐप पर उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही आशाबहु डॉक्टरों की संख्या, उपलब्ध दवाओं की सूची व अन्य जानकारियां भी रहेंगी। जल्द ही इस ऐप को नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन से जोड़ा जाएगा।

मोदी का 15 को वाराणसी दौरा,मुख्य सचिव एवं डीजीपी ने लिया तैयारियों का जायजा

लखनऊ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 जुलाई के संभावित दौरे के मद्देनजर प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी एवं पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकुल गोयल ने रविवार को यहां प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं जायजा लिया।

सर्वश्री तिवारी एवं गोयल ने मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल समेत अन्य अधिकारियों के साथ श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर स्थित जनसभा स्थल, वाराणसी इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर 'रुद्राक्ष' और काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर का दौरा किया।

उन्होंने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारियां लीं तथा उन्हें कई निर्देश दिए।श्री अग्रवाल ने प्रस्तावित कार्यक्रमों से मुख्य सचिव को अवगत कराया। अति विशिष्ट, विशिष्ट एवं अतिथियों के प्रवेश मार्गों जानकारी दी। मुख्य सचिव ने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए हर तरह से सतर्कता बरती जाये।

राफेल सौदे में अनियमितिता का राहुल का आरोप सही : खुर्शीद

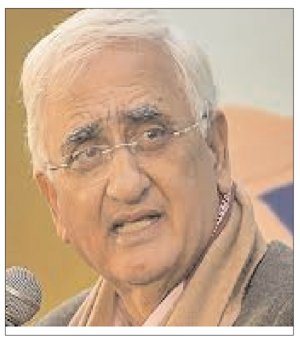

लखनऊ ब्यूरो। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि लड़ाकू विमान राफेल के सौदे पर फ्रांस सरकार द्वारा जांच शुरू करना कांग्रेस के घोटाला संबधित आरोप को सही साबित करता है।

श्री खुर्शीद ने शनिवार को पत्रकारों से कि राफेल मुद्दे को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बड़ी गम्भीरता से माना कि इस सौदे में बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। श्री गांधी ने राफेल मामले में लेनदेन की जो बात उठाई इसका सुरक्षा से कोई संबंध नहीं बल्कि बहुत कम कीमत पर हमें राफेल मिलना चाहिए था। फ्रांस द्वारा राफेल मामले की जांच शुरू किया जाना साबित करता है कि कुछ गड़बड़ हुयी है।

समान नागरिता संहिता के मामले पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा हमारे देश में हमारी भाषा एक नहीं है, रहन-सहन एक नहीं है, खान-पान एक नहीं है, विवाह पद्धति एक नहीं हो पाये हैं जबकि भारत एक है। समानता और एकता में अन्तर है। हम स्वीकार करते हैं कि इस पर चर्चा होनी चाहिए। हमारी सभ्यता इस देश में महिला सशक्तिकरण मात्र शक्ति जो हमारे संविधान व्यवस्थाएं हैं के तहत उन्हे अधिकार प्रदान करती हैं फिर भी महिलाओं को विशेष स्थान देने के लिये लोकल बॉडी में चुनाव में महिला आरक्षण शुरू किया गया और हम महिलाओं को आरक्षण देने के लिये प्रयासरत है।उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव के संबंध में उन्होने कहा कि तानाशाह लोकतंत्र का सहारा लेकर बनते हैं। इतिहास इस बात का गवाह है और जो यहां चुनाव में हो रहा है वह चुनाव नहीं बल्कि लोकतंत्र पर एक धब्बा है। केन्द्रीय कृषि कानूनों को लेकर आन्दोलन कर रहे किसानों के मुद्दे पर श्री खुर्शीद ने कहा कि कांग्रेस किसानों का पूर्ण समर्थन कर रही है और सत्ता में आने पर तीनों काले कानूनों को वापस लेगी।

सड़क हादसे में ट्रक चालक की मृत्यु, एक घायल

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में रविवार तड़के दो ट्रकों के बीच हुई टक्कर में

एक चालक की मृत्यु हो गई जबकि हेल्पर घायल हो गया।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मोहनलालगंज इलाके में खुजौली के पास तड़के करीब तीन बजे दो ट्रकों की टक्कर हो गयी। हादसे में कानपुर देहात के बक्कास पुरा निवासी 21 वर्षीय ट्रक चालक दीपक पाल की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि दूसरे ट्रक का हेल्पर भूपेन्द्र सिंह घायल हो गया।उन्होंने बताया कि घायल हेल्पर को अस्पताल भेज दिया।

ऑटो चालक ने की आत्महत्या

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के मोहनलालगंज इलाके में एक ऑटो चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहनलालगंज इलाके में मऊ गांव निवासी 30 वर्षीय रामू उर्फ राजकुमार ने शनिवार रात घर में दुप्पटे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि परिजनो के अनुसार आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी बताया है।

उन्होंने बताया कि रामू ऑटो आदि चलाता था,लेकिन आमदनी कम होने से परेशान रहता था और इसी कारण उसने यह कदम उठाया।

यूपी में लोक अदालतों में हुआ 11 लाख से अधिक वादों का निस्तारण

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सहायता प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित लोक अदालत में 11 लाख 60 हजार से अधिक वादों का निस्तारण किया गया एवं 624 करोड़ रूपये से अधिक धनराशि का सेटेलमेन्ट विभिन्न वादों में किया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक अदालत के माध्यम से आमजन के वर्षों से लम्बित वादों का इतनी भारी संख्या में निस्तारण के लिये जिले के सभी न्यायिक एवं प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है।मुख्यमंत्री ने अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री मुनीश्वर नाथ भण्डारी का आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि आगे आने वाले समय में प्रदेश में लोक अदालत आयोजित किये जाने पर राज्य सरकार अपना पूर्ण सहयोग देगी, जिससे वादकारियों के लम्बित वादों का सहज रूप से निस्तारण हो सकें।राष्ट्रीय लोक अदालत में राजस्व वादों का भी आज भारी संख्या में निस्तारण किया गया। मुख्यमंत्री ने राजस्व वादों का अगली लोक अदालत में प्राथमिकता पर निस्तारण कराने का भी निर्देश दिया है।

उप्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं,12 सर्किट होंगे विकसितः मुकेश मेश्राम

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और इसी को देखते हुए सरकार राज्य में 12 सर्किट विकसित करेगी।

जिससे बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आ आयेंगे और उनके आने से इससे जुड़े उद्यमियों को फायदा मिलेगा। अभी जिस तरह से करोना संक्रमण ने पर्यटन की रफ्तार रोक दी है, ऐसे में अब जब इसका प्रभाव धीरे-धीरे खत्म हो रहा है तो एक बार फिर से पर्यटन केंद्रों पर पर्यटकों की भीड़ आने की उम्मीदें बढ़ रही हैं।

राज्य के पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए यहां पर्यटन के 12 सर्किट विकसित किए जा रहे हैं, जिसमें रामायण, महाभारत, बुद्धिस्ट, शक्तिपीठ, इको टूरिज्म, स्वतंत्रता संग्राम सर्किट प्रमुख हैं। यहां पर बुनियादी सुविधाएं बढ़ायी जा रही हैं, जिससे इन स्थलों पर बड़ी संख्या में पर्यटक आकर यहां की धार्मिक मान्यताएं और इतिहास के बारे में जानकारी हासिल कर सकें।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े जो भी ज्ञात-अज्ञात हमारे नायक हैं, उनकी गौरव गाथा को प्रचारित कराया जाएगा, जिससे लोग उनसे प्रेरणा ले सकें।

प्रमुख सचिव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विंध्याचल में विंध्यवासिनी धाम, वाराणसी में घाटों का निर्माण, इसके साथ ही मथुरा गोवर्धन के साथ-साथ अयोध्या में सभी पुराने मंदिर, एवं मठों को सवारने का भी काम चल रहा है। अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रामकथा गॅलरी बनाया जा रहा है, जहां प्रभु श्री राम की जीवनी पर आधारित शो दिखाए जाएंगे। कुशीनगर, मथुरा, और लालापुर जहां बाल्मीकि आश्रम है, वहां पर भी लगातार बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं, जिससे आने वाले पर्यटकों को हर संभव सुविधा प्रदान की जा सके तथा ज्यादा से ज्यादा पर्यटक इन स्थलों के प्रति आकर्षित हो सकें। इसके साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिस तरह से वाराणसी में गंगा में क्रूज़ चलाने की सेवा शुरू की गई है, उसी तरह अयोध्या में भी पी0 पी0 पी0 मोड पर प्रयोग किया जाएगा, जिससे पर्यटक क्रूज सेवा का आनंद उठा सकेंगे ।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पर्यटन विभाग ने लगभग 550 ऐसे स्थल चिन्हित किए हैं जो किसी न किसी कारण से महत्वपूर्ण है, इन स्थलों पर मेले लगते हैं, ये धार्मिक-ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है, इन सभी अवसरों पर बुनियादी सुविधाएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं।

श्री मेश्राम ने बताया है कि धार्मिक ऐतिहासिक रूप से प्रत्येक जिले में कुछ ऐसे स्थल होते हैं जहां की अपनी मान्यताएं हैं। ऐसे में प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक विधानसभा में एक-एक पर्यटन के केंद्र चिन्हित करने के लिए विधायकगणों से कहा गया है। इसके बाद प्रदेश सरकार राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में इन पर्यटन केंद्रों को विकसित कर यहां पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, जिससे लोग अपने जिले और अपने विधानसभा में भी पर्यटन के इन केंद्रों का आनंद ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि महाराजगंज जिले के विधानसभा क्षेत्र फरेंदा में स्थित लेहड़ा देवी स्थल के पर्यटन विकास कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2019-20 में 255.22 लाख रुपये की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई थी। जिसमें से 170.38 लाख पूर्व में अवमुक्त किये जा चुके हैं। शासन द्वारा उक्त कार्य के लिए शेष धनराशि में से 40 लाख रुपये की धनराशि और उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने कहा कि उक्त धनराशि उपलब्ध होने से लेहड़ा देवी स्थल के पर्यटन विकास कार्य में तेजी आयेगी।

वर्तमान जरुरत के अनुरूप ही पॉलीटेक्निक/फार्मेसी के कोर्स डिजाइन किए जाएं : योगी

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना महामारी के दृष्टिगत फार्मा सेक्टर में फार्मा कोर्स करने वाले अभ्यर्थियों की अच्छी मांग है और वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप ही पॉलीटेक्निक एवं फार्मेसी के कोर्स डिजाइन किए जाएं।

श्री योगी के समक्ष आज उनके सरकारी आवास पर प्राविधिक शिक्षा विभाग (डिप्लोमा सेक्टर) द्वारा एआईसीटीई विनियम-2019 के लागू होने के बाद अनुदानित पॉलीटेक्निक संस्थाओं की विनियमावली में प्रस्तावित संशोधन तथा फार्मेसी के डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 'राज्य सरकार द्वारा अनापत्ति' (एनओसी) प्रदान करने के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण के दौरान ये बात कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप ही पॉलीटेक्निक/फार्मेसी के कोर्स डिजाइन किए जाएं। उन्होंने कहा कि डिमाण्ड के अनुसार ही इन संस्थाओं द्वारा संचालित कोर्सां को अपग्रेड करना आवश्यक है। इसके साथ ही, शिक्षा की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, अन्यथा अच्छी जनशक्ति की उपलब्धता के उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो पाएगी।

उन्होंने कहा कि विभिन्न सेक्टरों में उपलब्ध रोजगार के दृष्टिगत पॉलीटेक्निक संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सां को उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की अच्छी मांग है। आवश्यकता इस बात की है कि तकनीकी शिक्षा हासिल करने वाले विद्यार्थियों की क्षमताएं उच्च गुणवत्ता की हों। इससे उनके रोजगार पाने की सम्भावनाएं बढ़ जाती हैं।श्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दृष्टिगत फार्मा सेक्टर में फार्मा कोर्स करने वाले अभ्यर्थियों की अच्छी मांग है। उन्होंने फार्मा के कोर्सां को समय की मांग के अनुसार अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फार्मा कोर्स पासआउट्स की भविष्य में अच्छी डिमाण्ड रहेगी। उनके रोजगार पाने की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। अतः फार्मा कोर्सां को तत्काल अद्यतन किया जाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष सचिव प्राविधिक शिक्षा आलोक कुमार ने प्रस्तुतीकरण करते हुए अवगत कराया कि मंत्रिपरिषद के निर्णय के क्रम में राजकीय एवं अनुदानित/सहायता प्राप्त पॉलीटेक्निक संस्थाओं में शैक्षणिक पदों के लिए एआईसीटीई के विनियम 2019 के अनुसार सातवें वेतनमान की संस्तुतियों को लागू किये जाने और इसके अनुक्रम में राजकीय एवं अनुदानित पॉलीटेक्निक संस्थाओं की सेवा नियमावली/विनियमावली बनाए जाने का निर्णय लिया गया था।श्री योगी को अवगत कराया गया कि निर्णय के क्रम में राजकीय एवं अनुदानित/सहायता प्राप्त पॉलीटेक्निक संस्थाओं की शैक्षणिक पदों के लिए सेवा नियमावली/विनियमावली बनाए जाने/संशोधन किए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव अलग-अलग संचालित किए गए। यह भी अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को 23 जून को प्रधानाचार्यों, कर्मशाला अधीक्षकों व पुस्तकालयाध्यक्षों के कुल 1,357 पदों पर नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजा जा चुका है। इस पर मुख्यमंत्री ने इन पदों पर शीघ्र तैनाती की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने अनुदानित/सहायता प्राप्त पॉलीटेक्निक संस्थाओं के लिए विद्यमान विनियमावली-1996 (यथासंशोधित) में संशोधन की कार्यवाही तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। श्री योगी को फार्मेसी के डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 'राज्य सरकार द्वारा अनापत्ति' (एनओसी) प्रदान करने के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए सचिव प्राविधिक शिक्षा ने कहा कि वर्तमान में पीसीआई द्वारा वर्ष 2019 में फार्मेसी के नवीन संस्थाओं की स्थापना पर अनुमोदन देने पर 05 वर्ष तक रोक लगायी गयी है। पीसीआई द्वारा फार्मेसी की पूर्व से संचालित संस्थाओं में 'प्रवेश क्षमता में वृद्धि' एवं 'नये फार्मेसी पाठ्यक्रम को संचालित' करने में छूट प्रदान की गयी है।प्रस्तुतीकरण का अवलोकन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी संस्था द्वारा एनओसी अप्लाई करने पर इसका भली-भांति परीक्षण कर समयबद्धता के साथ एनओसी उपलब्ध कराया जाए। एनओसी ऑनलाइन उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जाए।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस पी गोयल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कालिदास मार्ग पर सोमवार से जनता दर्शन शुरु,योगी सुनेंगे लोगों की समस्या

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को सुबह पुन: शुरु किए जा रहे जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनेंगे।सरकारी सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्हेंने बताया कि श्री योगी के सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर सोमवार से जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन पुनः प्रारम्भ किया जा रहा। जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कल प्रातः नौ बजे लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे तथा उनके समाधान के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे।गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के कारण जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन स्थगित किया गया था। संक्रमण की स्थिति में निरंतर हो रहे सुधार के दृष्टिगत मुख्यमंत्री जनता दर्शन कार्यक्रम को पुनः प्रारम्भ करने का निर्णय लिया।

लखनऊ में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 255 लोगों का चालान

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यातायात पुलिस ने रविवार को नियमों की अनदेखी करने वाले 255 लोगों का ई-चालान किया।पुलिस प्रवक्ता ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस ने लखनऊ शहर के विभिन्न चौराहो एवं तिराहो पर दो पहिया वाहन पर बगैर हेलमेट, तीन सवारी, बिना नम्बर वाहन और ओवर स्पीड आदि के सम्बन्ध में चेकिंग की गई।इस दौरान प्रवर्तन टीमों ने दो पहिया वाहन पर हेलमेट न/न लगाने वाले 129 ,तीन सवारी बैठाने पर 07 लोगों का,नो-पार्किंग में किए गए चालान 16 जबकि गलत दिशा में चलने वाले 08 लोगों का चालान किया। चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 45 लोगों का चालान किया गया। इसके अलावा अन्य मामलो में 40 से अधिक लोगों के चालान किए गये ।प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस ने जुर्माने के तौर पर 94 हजार 600 रुपये शमन शुल्क के रुप में वसूल किये।

तीन तस्कर गिरफ्तार,60 लाख की अफीम बरामद

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की बरेली पुलिस ने फरीदपुर इलाके से तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे सेएक किलो 850 ग्राम अफीम बरामद की,अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जिसकी कीमत लगभग 60 लाख रूपये आंकी गई है।पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना पर आज फरीदपुर पुलिस ने सूचना के आधार पर मोहल्ला शान्तिनगर से तीन तस्करो हजारीबाग, झारखण्ड निवासी बैजनाथ और सुरेन्द्र कुमार तथा बरेली निवासी इरशादको गिरफ्तार किया । उन्हेंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक किलो 850 ग्राम अफीम बरामद की गई।

संपादकीय

आतंकवाद का सिर्फ जन्मदाता ही नहीं बल्कि अन्नदाता भी है पाक, इसलिए हाफिज को हुए दर्द पर बिलबिला उठा है

हाफिज सईद के समर्थन में अगर पाकिस्तान के राष्ट्रपति को उतरना पड़ा है तो यह एक बार फिर पुष्ट होता है कि आतंकवाद को वहाँ सरकारी समर्थन मिलता है इसीलिए आतंकवादी को दर्द हुआ तो उसे पाक के हुक्मरानों ने भी महसूस किया।

पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवाद की फैक्ट्री कहाँ है, पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवादियों को सबसे अच्छा प्रशिक्षण कहाँ मिलता है, पूरी दुनिया जानती है कि विश्व के अलग-अलग कोनों में आतंकवादी हमलों की योजनाएं कहां बैठकर बनाई जाती हैं, पूरी दुनिया जानती है कि बड़े से बड़ा आतंकवादी किस देश में पनाह लिये हुए मिल सकता है, पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवाद किस देश की सरकारी नीति है, पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने और आतंकवाद को फंडिंग करने के आरोप में किस देश पर तमाम तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगे हुए हैं। जी हाँ हम बात कर रहे हैं आतंकिस्तान यानि पाकिस्तान की। आतंक के आका हाफिज सईद के घर के बाहर धमाका क्या हो गया पाकिस्तान को आतंकवाद का दर्द महसूस होने लगा और इस धमाके का आरोप वह भारत पर मढ़ रहा है। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की कहावत को चरितार्थ करते हुए पाकिस्तान भारत पर जो आरोप लगा रहा है उसका भारत सरकार ने कड़ा प्रतिवाद किया है।

भारत का पलटवार

भारत ने मुंबई आतंकी हमले के मुख्य षड्यंत्रकर्ता हाफिज सईद के लाहौर स्थित आवास के पास हुए बम विस्फोट में उसका होने के पाकिस्तान के दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे पड़ोसी देश का 'आधारहीन दुष्प्रचार' बताया है इसके साथ ही इस्लामाबाद को उसकी धरती से फैलने वाले आतंकवाद के खिलाफ 'विश्वसनीय एवं पुष्टि करने योग्य' कार्रवाई करने की नसीहत दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह भी कहा है कि पाकिस्तान के लिए भारत के खिलाफ 'आधारहीन दुष्प्रचार में शामिल होना कोई नयी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपने घर को दुरुस्त करने का प्रयास करना चाहिए तथा उसकी धरती से उपजने वाले आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय एवं पुष्टि करने योग्य कदम उठाना चाहिए जहां ऐसे तत्वों को पनाहगाह मिलती हैं।

पाकिस्तान के आरोप

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने भारत पर अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान के विरुद्ध 'हाइब्रिड' युद्ध में शामिल होने और आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि हाफिज सईद के घर के बाहर धमाका भी भारत के समर्थन से करवाया गया था। पाकिस्तानी राष्ट्रपति के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए देश में आतंकवादी गतिविधियां करवा रहा है। दरअसल, हाफिज सईद के समर्थन में अगर पाकिस्तान के राष्ट्रपति को उतरना पड़ा है तो यह एक बार फिर पुष्ट होता है कि आतंकवाद को वहाँ सरकारी समर्थन मिलता है इसीलिए आतंकवादी को दर्द हुआ तो उसे पाक के हुक्मरानों ने भी महसूस किया।

अब पाकिस्तानी राष्ट्रपति ऐसा आरोप लगा रहे हैं तो पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद युसुफ क्यों पीछे रहते, उन्होंने भी बिना किसी तथ्य के आरोप लगा दिया कि लाहौर में हाफिज सईद के आवास के पास विस्फोट में भारत का हाथ है। मोईद युसुफ ने कहा था, ''फारेंसिक विश्लेषण, इलेक्ट्रानिक उपकरणों के जरिये हमने इसके मुख्य साजिशकर्ता की पहचान कर ली है और हमें यह बताने में कोई संदेह नहीं है कि मुख्य साजिशकर्ता रॉ से संबंधित है।'' हम आपको याद दिला दें कि लाहौर के जौहर क्षेत्र में 23 जून को बोर्ड आफ रेवन्यू हाउसिंग सोसाइटी में मुंबई बम धमाकों के षड्यंत्रकर्ता हाफिज सईद के आवास के बाहर शक्तिशाली कार बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी और 24 अन्य घायल हो गए थे।

भारत ने पाकिस्तान को तो खरी-खरी सुनाई ही साथ ही इस्लामिक सहयोग संगठन को भी नसीहत दे डाली है। भारत ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) से कहा कि वह पाकिस्तान जैसे निहित स्वार्थी तत्वों को पक्षपातपूर्ण और एकतरफा प्रस्ताव के जरिये भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिये समूह के मंच का इस्तेमाल नहीं करने दे। दरअसल ओआईसी के महासचिव द्वारा इस समूह के विदेश मंत्रियों के परिषद के संबंधित प्रस्ताव के अनुरूप जम्मू-कश्मीर में एक शिष्टमंडल भेजने की बात कही गयी है जिसकी प्रतिक्रिया में भारतीय विदेश मंत्रालय की टिप्पणी आई है।

बहरहाल, पहले सीमा पार से आतंकवादी भेजने वाले पाकिस्तान को जब लगा कि इतनी मेहनत और खर्चे से प्रशिक्षण दिलाकर जिसको वह भेजता है वह भारत की पवित्र भूमि पर कदम रखते ही भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से उड़ा दिया जाता है तो अब वह ड्रोन-ड्रोन खेलने लग गया है। कभी गुब्बारे तो कभी ड्रोन भेजकर पाकिस्तान जो हिमाकतें कर रहा है उसका भारत एक ही पलटवार में हिसाब कर देगा।

नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में रेलवे में हुए कई क्रांतिकारी सुधार

देश में ब्रिटिश राज के समय रेलवे को विकसित करने हेतु कुछ बुनियादी काम हुए और उन्होंने रेलवे को अपनी ज़रूरतों के हिसाब से देश के विभिन्न भागों में विकसित करने का काम किया। रेलवे के विकास की रफ़्तार न केवल ब्रिटिश राज के समय बल्कि आज़ादी के बाद भी काफ़ी धीमी रही।पूरे विश्व में ही यात्रा एवं माल ढोने के लिए रेलवे को एक कुशल साधन माना जाता है। कई देशों के आर्थिक विकास को गति देने का श्रेय वहां विकसित की गई दक्ष रेलवे लाइनों के योगदान को भी दिया जाता है। विश्व के कई विकसित देशों जैसे जापान, फ्रांस, कनाडा, सिंगापुर, चीन, अमेरिका आदि के महानगरों में भीड़ की आवाजाही को नियंत्रित करने में वहां विकसित की गई मेट्रो रेल का भी बहुत बड़ा योगदान है। यूरोप के कई देश तो विकसित देशों की श्रेणी में ही इसीलिए आ गए हैं क्योंकि वहां रेल तंत्र को बहुत ही व्यवस्थित तरीक़े से विकसित किया गया है। इसी क्रम में भारत में भी पिछले 6 वर्षों से लगातार प्रयास किया जा रहा है कि देश में न केवल रेलवे लाइनों का जाल बिछाया जाये बल्कि मेट्रो रेल को भी देश के महानगरों में विस्तार दिया जाये। भारत में पहली यात्री गाड़ी की शुरुआत 15 अगस्त 1854 को कोलकाता में हावड़ा एवं हुगली की बीच 24 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए हुई थी। भारत में 166 साल के रेलवे के इस सफ़र को यातायात के मामले में एक लाइफ़ लाइन की तरह देखा जाता है। देश में ब्रिटिश राज के समय रेलवे को विकसित करने हेतु कुछ बुनियादी काम हुए और उन्होंने रेलवे को अपनी ज़रूरतों के हिसाब से देश के विभिन्न भागों में विकसित करने का काम किया। रेलवे के विकास की रफ़्तार न केवल ब्रिटिश राज के समय बल्कि आज़ादी के बाद भी काफ़ी धीमी रही। चीन और भारत 1950 में रेलवे सेवाओं की उपलब्धता के मामले में लगभग समान स्थिति

में थे, परंतु चीन आज भारत से लगभग तीन गुना आगे है।

इसी प्रकार मेट्रो रेल के मामले में भी भारत में वर्ष 2014 तक विकास की कहानी बहुत ही धीमी रही है। भारत में मेट्रो रेल की शुरुआत कोलकाता में वर्ष 1976 में हुई, इसके 26 वर्ष बाद जाकर वर्ष 2002 में दिल्ली में मेट्रो रेल प्रारम्भ हो सकी एवं वर्ष 2014 तक मेट्रो रेल देश के केवल 5 नगरों में ही प्रारम्भ हो सकी थी। परंतु, इसके बाद मेट्रो रेल के विस्तार हेतु देश में तेज़ी से काम प्रारम्भ हुआ और आज मेट्रो रेल देश के 18 नगरों में प्रारम्भ हो चुकी है। वर्ष 2025 तक देश के 25 नगरों में मेट्रो रेल की शुरुआत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है एवं 20 और अन्य नए मार्गों का सर्वे भी सम्पन्न कर लिया गया है। एक बार तो हम केवल सोच ही सकते हैं कि मेट्रो रेल के अभाव में दिल्ली में यातायात व्यवस्था की आज क्या हालत होती?

शुरुआती दौर में भारत में रेलवे क्षेत्र में हुई धीमी प्रगति के बाद अब पिछले 6 वर्षों के दौरान प्रगति को तेज़ गति प्रदान की गई है एवं आज भारतीय रेल दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक बन गया है। आज भारत में 123,238 किलोमीटर का रेलवे ट्रैक उपलब्ध हो गया है। इस रेलवे ट्रैक पर आज 13,500 से ज़्यादा यात्री ट्रेन एवं 9000 से ज़्यादा मालगाड़ियां दौड़ रही हैं। कुल मिलाकर 2 करोड़ 30 लाख यात्री प्रतिदिन यात्री ट्रेनों से सफ़र करते हैं एवं मालगाड़ियों द्वारा 30 लाख टन सामान रोज़ाना ढोया जाता है। देश में आज 7349 रेलवे स्टेशन भी स्थापित कर लिए गए हैं।

पिछले कुछ समय से भारतीय रेलवे में हम तेज़ी से हो रहे बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं। पिछले 6 वर्षों के दौरान देश में 6000 किलोमीटर का नया रेलवे ट्रैक प्रारम्भ हुआ है। मौजूदा दौर में नई तकनीक के साथ भारतीय रेल को आगे बढ़ाया जा रहा है। अभी हाल ही में नई दिल्ली मेट्रो रेल के सफर में एक नई सौगात जोड़ी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली ड्राइवर लैस मेट्रो रेल की सेवा प्रारम्भ की। चालक रहित मेट्रो रेल पूरी तरह स्वचालित होंगी, जिनमें मानवीय भूल की गुंजाइश नहीं होगी। दुनिया में बहुत कम ऐसे देश हैं, जहां पर ड्राइवर लैस मेट्रो रेल चलती है। अब भारत भी ऐसे देशों की सूची में शामिल हो गया है। ड्राइवर लैस मेट्रो रेल के प्रारम्भ होने के बाद इन रेलवे ट्रैक पर दुर्घटनाएं लगभग समाप्त हो जाएंगी। यह यातायात का एक होशियार सिस्टम है जिसके अंतर्गत किसी भी प्रकार का अवरोध होने पर मेट्रो रेल ब्रेक लगाकर अपने को रोक लेती है। ड्राइवर लैस रेल तकनीक का एक विलक्षण प्रयोग है जो भारत में भी किया गया है। यह प्रयोग भारत को रेलवे के विकास में काफ़ी आगे ले जाता है। इसी प्रकार अभी हाल ही में देश में 100वीं किसान रेल चलाई गई है। देश के हर क्षेत्र को किसान रेल से जोड़े जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह व्यवस्था देश के किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है।

रेलवे सम्बंधी अन्य कई क्षेत्रों में भी तेज़ी से काम हुआ है, जैसे, देश में रेलवे लाइन का विस्तार हुआ है, रेलवे मार्ग का बिजलीकरण किया गया है, रेलवे कोच को भी बदला गया है ताकि इसे और अधिक सुविधापूर्वक बनाया जा सके एवं यह रेल की बढ़ी हुई रफ़्तार के साथ सामंजस्य स्थापित कर सके। देश में 80 प्रतिशत कोच में आज बायो टॉयलेट प्रयोग किए जा रहे हैं। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में रेल का जाल तेज़ी से बिछाया जा रहा है यह क्षेत्र अभी तक रेलवे ट्रैक से वंचित था। भारतीय रेल द्वारा उपयोग की जा रही विकसित तकनीक के कारण देश में पिछले दो वर्षों के दौरान कोई बड़ी रेल दुर्घटना नहीं हुई है एवं रेलवे की समयनिष्ठा में भी बहुत सुधार दृष्टिगोचर है। रेल्वे प्लेटफॉर्म पर टिकट के लिए अब लम्बी लाइनें नहीं दिखाई देती हैं क्योंकि ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा अब देश में लोकप्रिय हो गई है। भारतीय रेल अब कुछ रेलवे ट्रैक पर तेज़ रफ़्तार अर्थात् 160 किलोमीटर प्रति घंटे से दौड़ रही हैं और इस रफ़्तार को 200 किलोमीटर प्रति घंटे तक ले जाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु अभी भी रेलवे को ट्रैक पर दौड़ाने की रफ़्तार के मामले में भारत विश्व के कई अन्य देशों यथा जापान, चीन, आदि से बहुत पीछे है। फ्रांस, कनाडा, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों में ड्राइवर लैस मेट्रो का बहुत बड़ा नेटवर्क स्थापित किया जा चुका है जबकि भारत में अभी केवल इसकी शुरुआत ही हो सकी है। आर्थिक दृष्टि से देश की विकास यात्रा में भारतीय रेल एक इंजन के तौर पर कार्य कर रहा है, साथ ही देश में मोबिलिटी को विस्तार देने के मामले में भी रेलवे की मुख्य भूमिका रहती आई है। पिछले 6 वर्षों के दौरान देश में रेलवे के लिए आधारिक संरचना विकसित करने के उद्देश्य से 645,000 करोड़ रुपए की राशि ख़र्च की गई है। इतनी बड़ी राशि बीते हुए पिछले लगभग 60 वर्षों के दौरान भी ख़र्च नहीं की जा सकी थी। रेलवे विभाग में कार्य कर रहे स्टाफ़ के कौशल विकास के लिए नेशनल रेलवे ट्रांसपोर्ट यूनिवर्सिटी स्थापित की गई है। यहां रेलवे स्टाफ़ को प्रबंधन की सीख दी जा रही है। ज़ोनल ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में भी कर्मचारियों को नई तकनीक के सम्बंध में ट्रेनिंग प्रदान की जाती है। इस प्रकार रेलवे विभाग में तकनीक का भारतीयकरण किया जा रहा है एवं रेलवे स्टाफ़ को दक्षता प्रदान की जा रही है। पिछले कुछ वर्षों तक देश में रेलवे कोच का आयात हो रहा था परंतु अब देश में ही रेलवे कोच का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है।

चूंकि मेट्रो रेल का विस्तार अब 25 शहरों तक किया जा रहा है अत: रेलवे कोच की आवश्यकता भी बढ़ने वाली है। आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत अब देश में ही इन कोच का उत्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है। अब तो भारत को एक स्तर आगे जाकर रेलवे तकनीक एवं कोच आदि के निर्यात के बारे में सोचना चाहिए। देश के रेलवे क्षेत्र में कार्य कर रहे विशेषज्ञ इंजीनियर को विदेशों, विशेष रूप से पड़ोसी देशों में, रेलवे के विस्तार में अपनी मदद प्रदान करनी चाहिए। चीन रेलवे के क्षेत्र में अपनी तकनीक को अन्य देशों को प्रदान कर रहा है। भारत भी इस क्षेत्र में अपनी भूमिका को बढ़ा सकता है। भारतीय रेल देश में सबसे बड़ा नियोक्ता भी है।

स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिक दुनिया में किसी से भी कम नहीं

हमारे टीकों को ना केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन से मान्यता प्राप्त और विश्वसनीय माना जाता है अपितु दुनिया के देशों में इन टीकों की गुणवत्ता पर पूरा भरोसा है। याद कीजिये कोरोना के शुरुआती दौर में अमेरिका ने किस तरह से हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन के लिए दबाव बनाया।इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि कोरोना महामारी से निजात के लिए सरकार द्वारा दो-दो वैक्सीनों को अनुमति के बावजूद हमारी वैक्सीनों को हम ही संदेह के कठघरे में खड़े करने में सबसे आगे हैं। एक साथ दो वैक्सीनों के आपात उपयोग के लिए अनुमति देने वाला भारत दुनिया का पहला देश है। कल तक अमेरिका, सोवियत रूस व अन्य देशों की ओर वैक्सीनों की आस लगाए दुनिया के देशों को सबसे अधिक विश्वास भारतीय वैक्सीनों पर ही रहा है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देश जल्दी से जल्दी भारतीय वैक्सीनों की सप्लाई शुरू करने का दबाव बना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने भारतीय कोविड वैक्सीनों को आपात उपयोग की अनुमति की सराहना की है वहीं ब्रिटेन सहित चार देशों ने आपात उपयोग के लिए भारतीय वैक्सीन को मान्यता दे दी है। दुनिया के देशों से बड़े आर्डर मिलने वाले हैं। ब्राजील तो जल्दी से जल्दी सप्लाई का दबाव बना रहा है। हालांकि चार हजार अरब से अधिक के सालाना कारोबार की संभावना को देखते हुए भारतीय वैक्सीन निर्माता दोनों कंपनियों के बीच अंदरखाने प्रतिस्पर्धा चल रही है जिसका परिणाम सामने है। फिर भी भारतीय वैज्ञानिकों ने एक बार फिर दुनिया के देशों को दिखा दिया है कि स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में वह दुनिया के देशों में किसी से भी कम नहीं हैं। आज हालात यह हैं कि कोरोना महामारी से दुनिया को निजात दिलाने के लिए देश में एक-दो नहीं बल्कि नौ कोरोना टीकों के अनुसंधान में हमारे वैज्ञानिक पुरजोर ताकत के साथ लगे हुए हैं।दरअसल हम आलोचना के नाम पर हम इस हद तक पहुंच जाते हैं कि देश के हित-अनहित को ही भूल बैठते हैं। हम भूल जाते हैं कि दुनिया के देशों में आज भी भारतीय टीकों का डंका बजता है। हम भूल जाते हैं कि दुनिया के विकसित देशों से लेकर विकासशील और अविकसित देशों में भारतीय वैक्सीनों ही नहीं बल्कि दवाओं तक का जादू चलता है। आज हम हमारे देश में हमारी जैनेरिक दवाओं को वो स्थान नहीं दिला पाए जो दुनिया के देशों में भारत द्वारा निर्मित जैनेरिक दवाओं को मिला हुआ है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि अमेरिका, यूरोपीय देशों सहित दुनिया के देशों की कुल मांग की 20 फीसदी से भी अधिक आपूर्ति भारतीय जैनेरिक दवा निर्यातक कंपनियां कर रही हैं। इस पर देश को गर्व होना चाहिए कि दुनिया के 60 फीसदी बच्चों को लगने वाली वैक्सीन भारत और भारत में भी सीरम की वैक्सीन ही लग रही है। दुनिया के करीब 170 देशों में डेढ़ अरब टीकों की खुराक हमारा सीरम इंस्टीट्यूट ही कर रहा है। यह सब इसलिए है कि हमारे टीकों को ना केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन से मान्यता प्राप्त और विश्वसनीय माना जाता है अपितु दुनिया के देशों में इन टीकों की गुणवत्ता पर पूरा भरोसा है। याद कीजिए कोरोना के शुरुआती दौर में अमेरिका सहित दुनिया के देशों ने किस तरह से हमारे देश द्वारा निर्मित और मलेरिया के लिए अतिविश्वसनीय दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन को उपलब्ध कराने का दबाव बनाया और फिर भारत द्वारा अमेरिका को दवा उपलब्ध कराने के कारण आलोचना का शिकार भी होना पड़ा। खैर आलोचना-प्रत्यालोचना अलग बात है पर हमें इसका गर्व होना चाहिए कि अमेरिका जैसे देश को कोरोना के हालातों में हमारी हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन पर विश्वास जताना पड़ा।आज दुनिया के देशों में बच्चों को जितने प्रकार के टीके लगाए जाते हैं उनमें भारत द्वारा निर्मित टीकों का ही बोलबाला है। एक जमाने में टिटनेस जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए टिटनेस का टीका तैयार कर सामने आये पूना के सीरम इंस्टीट्यूट ने पोलियो जैसी बीमारी से निजात दिलाने के लए दो बूंद के नाम से ख्यातनाम पोलियो की पीने की खुराक तक बना कर दुनिया को बता दिया कि अनुसंधान के क्षेत्र में हम दुनिया से दो कदम आगे ही हैं। सीरम ने टिटनेस के बाद सांप काटने के ईलाज के लिए एंटीडोट्स उतारा। कोविशील्ड के पहले पोलियो वैक्सीन के साथ ही डिप्थिरिया, पट्र्युसिस, एचआईवी, बीसीजी, आर-हेपेटाइटस बी, खसरा, मम्स, रुबेला जैसे टीकों का निर्माण और निर्यात हो रहा है। 1967 में टिटनेस के टीके के उत्पादन से शुरू हुई इस कंपनी ने 2004 में दुनिया का पहला तरल एचडीसी रैबिज तरल टीका उतारा तो स्वाईन फ्लू का टीका भी उतारा जा चुका है। आज दुनिया के देशों के बच्चों के जो जीवनदायी टीके लगाए जा रहे हैं उनमें 60 फीसदी भागीदारी हमारे टीकों की है। यह हमारी गुणवत्ता और विश्वसनीयता की पहचान है। ऐसे में कोरोना के विश्वव्यापी संकट के दौर में हमारे स्वदेशी टीकों की ओर दुनिया टकटकी लगाए हुए है। हमारे वैज्ञानिकों के प्रयास से वो दिन दूर नहीं जब कोविशील्ड और कोवैक्सिन का डंका भी दुनिया भर में बजेगा। आज जिस तरह से दुनिया भारतीय वैज्ञानिकों की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है उससे आने वाला समय भी हमारा ही होगा और इसके लिए हमें हमारे वैज्ञानिकों के अनुसंधान की ना केवल सराहना करनी चाहिए अपितु हमें इस सफलता पर गौरवान्वित भी महसूस करना चाहिए।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भारत के दबाव के चलते ही पाकिस्तान में हो पा रहा है तोड़े गये मंदिर का पुनर्निर्माण

हिन्दू मंदिर विध्वंस मामले में पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई में न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा की सरकार मंदिर के साथ ही परमहंस जी महाराज की समाधि का दो सप्ताह के अंदर पुनर्निर्माण कराया जाए।पड़ोसी देश पाकिस्तान में हिन्दू आस्था केंद्रों के जय जयकार का उद्घोष होना यूँ तो कालबाह्य हो गया है। लेकिन अभी हाल ही में जिस प्रकार से एक मंदिर को तोड़ा गया है और उसके बाद आक्रोशित हिन्दू समाज ने जो प्रतिक्रिया दी, वह अपने अस्तित्व को बचाने के लिए एक शक्तिशाली कदम माना जा रहा है। उसी की परिणति स्वरूप पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार को आदेशित किया है कि मुल्ला मौलवियों की उपस्थिति में विध्वंस किए मंदिर को पुनर्स्थापित किया जाए। इसमें खास तथ्य यह है कि इस मंदिर को बनाने में जो व्यय आएगा वह मंदिर तोड़ने वालों से ही वसूल किया जाएगा। इस कदम को पाकिस्तान में हिन्दू समाज की बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि पाकिस्तान के न्यायालय ने अल्पसंख्यक समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए जो कदम उठाया है, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। क्योंकि वहां के कट्टरपंथी मुस्लिम यह कभी नहीं चाहते कि उनकी धरती पर हिन्दू समाज के श्रद्धा केंद्रों का अस्तित्व रहे। हालांकि इससे पूर्व करतारपुर साहिब गुरुद्वारे के मामले में भी पाकिस्तान को झुकना पड़ा था। यह सब भारत की बढ़ती हुई शक्ति का ही परिचायक है।

कभी भारत का हिस्सा रहे पाकिस्तान की धरती पर आज भी हिन्दू आस्था केन्द्रों के चिन्ह मिल जाते हैं, लेकिन इन आस्था स्थलों के प्रति पाकिस्तान की जनता के मन में कितना जहर भरा हुआ है, यह कई बार दृष्टव्य हो चुका है। स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान में कई मंदिरों के निशान तक मिटा दिए गए। इतना ही नहीं पाकिस्तान की धरती को हिन्दू समाज विहीन करने का भी षड्यंत्र भी लगातार चल रहा है। जिसके चलते कई हिन्दू परिवारों ने या तो पाकिस्तान छोड़ दिया है या फिर भय के कारण मुस्लिम बन गए।

अभी लगभग एक सप्ताह पहले ही में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में करक जिले के टेरी गांव में कुछ मौलवियों की उपस्थिति में किए गए मंदिर के विध्वंस मामले में हिन्दू समाज ने जो प्रतिरोध दिखाया, वह निश्चित रूप से पाकिस्तान के प्रताड़ित हिन्दू समाज में अपने धर्म के प्रति जीने का उत्साह जगाने वाला है। इसका आशय यह भी हो सकता है कि बार-बार मरने जैसे वातावरण में जीने से अच्छा है कि एक बार शक्ति का प्रकटीकरण किया जाए। इसी शक्ति प्राकट्य के आक्रोश के बाद न्यायालय और प्रशासन ने यह कठोर कार्यवाही की है। जिसमें लगभग सौ उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। इतना ही नहीं 8 पुलिस अधिकारियों का निलम्बन भी किया गया है। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि इन उपद्रवियों पर आतंक फैलाने वाली धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही की गई है।मंदिर विध्वंस मामले में पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई में न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा की सरकार मंदिर के साथ ही परमहंस जी महाराज की समाधि का दो सप्ताह के अंदर पुनर्निर्माण कराया जाए। यह हालांकि पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दू समाज के लिए कुछ हद तक राहत प्रदान करने वाली खबर हो सकती है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या ऐसे कार्य करने वाले विध्वंसकारी मानसिकता के लोग अपने आप में परिवर्तन ला सकेंगे।

समझा जाता है कि पाकिस्तान में हिन्दू समाज को प्रताड़ित करने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जाते रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत हिन्दू युवतियों का अपहरण भी कर लिया जाता है और उसके बाद या तो उस युवती का जबरदस्ती निकाह करा दिया जाता है या फिर उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है।

इतना ही नहीं हिन्दू कन्याओं के साथ कभी-कभी अमानवीय कृत्य तक किए जाते हैं। पिछले वर्ष एक चिकित्सक युवती के साथ हुई दुर्दान्त घटना को याद करते हुए सिहरन पैदा होती है। लम्बे समय से पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति वैमनस्यता के भाव से कार्रवाई की जाती रही है, इतना ही नहीं इन हिन्दू विरोधी घटनाओं के पीछे वे लोग भी शामिल होते हैं, जो अपने आपको भाईचारा स्थापित करने का ठेकेदार मानते हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मंदिर मामले में न्यायालय ने संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा करते हुए मंदिर बनाने का आदेश दिया, जो हिन्दू समाज की एक बड़ी जीत के रूप में देखी जा रही है। लेकिन इस आदेश के बाद भी पाकिस्तान में मंदिर सुरक्षित रह सकेंगे, इस बात की कोई गारंटी नहीं है क्योंकि पाकिस्तान की जनता के मन में हिन्दू समाज के प्रति समन्वय का भाव नहीं है। इसके पीछे मुख्य कारण यही माना जाता है कि पाकिस्तान के राजनेता और मुस्लिम धर्म गुरु वहां की जनता के मन में हिन्दू समाज के प्रति जहर भरते हैं। वही जहर मंदिरों और अल्पसंख्यक समाज के विरोध में सामने आता है।

कहा जाता है कि पाकिस्तान के कई स्थानों पर हिन्दू समाज को प्रताड़ित करने की हद ही पार हो गई है, जिसके कारण वहां का हिन्दू समाज अपने लिए सुरक्षित ठिकाने की तलाश में इधर-उधर भटकता रहता है। ऐसे ही कई परिवार आज विदेशों की धरती पर शरणार्थी बनकर जीवन जी रहे हैं। ऐसे कई परिवार भारत में भी हैं। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान के मौलवियों को चाहिए कि वह वहां की जनता के मन में समन्वय का भाव प्रवाहित करें और इस्लाम धर्म के मूल उद्देश्यों को प्रकट करें।

-सुरेश हिन्दुस्थानी
(वरिष्ठ पत्रकार)

भीलवाड़ा का युवक बोला- मैं कहता रहा चोर नहीं हूं, वे फिर भी मारते रहे

नई दिल्ली वार्ता। भीलवाड़ा के मोहनपुरा गांव में बकरी चोरी के शक में पेड़ से बांधकर पीटने के मामले में पुलिस ने रविवार को पीड़ित से बात की। बेसुध पड़े पीड़ित रमेश को होश आया, तो उसने अपनी पूरी कहानी बताई। रमेश ने कहा, मारपीट करने वाले सभी लोगों से हाथ जोड़कर विनती की थी कि मैं चोर नहीं हूं, पुलिस में दे दें। मैंने बकरी चोरी नहीं की है। लेकिन, लोगों ने मेरी नहीं सुनी और उसकी बेरहमी से पिटाई करते रहे। वे यहीं नहीं रुके, उन्होंने घावों पर मिर्ची भी लगा दी।%पीड़ित ने पुलिस को बताया, %साहब मैं गांव में दिहाड़ी मजदूरी करता हूं। 7 दिन से मैं मजदूरी के सिलसिले में लगातार काम कर रहा हूं। जिनके यहां काम करता हूं वह लोग मेरे बारे में बता भी सकते हैं। मैंने लोगों को खूब समझाया पर साहब मेरी उन्होंने एक भी नहीं सुनी। मैंने कहा भी की कि मैं चोर हूं, तुम मुझे थाने में दे दो। लेकिन मुझे लकड़ियों से बुरी तरह मारा, पेड़ से बांध दिया। 2 दिन हो गए साहब मैंने रोटी नहीं खाई। घर जाने में भी डर रहा हूं।ग्रामीणों द्वारा की गई मारपीट के बाद से रमेश सदमे में था। अपने घर भी नहीं गया था। दूसरे लोगों के घर में वह छुप कर बैठा था।

7 लोगों को हिरासत में लिया गया

रमेश के साथ हुई बेरहमी से मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद शनिवार से ही पुलिस सतर्क मोड पर थी। पुलिस ने इस मामले में करीब 7 लोगों को हिरासत में लिया है, जो वीडियो में रमेश के साथ मारपीट करते नजर आ रहे थे। अभी भी कई आरोपी फरार चल रहे हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। इधर, रमेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके बयान पर मामला भी दर्ज कर लिया गया है।मोहनपुरा गांव में करीब 10 दिन पहले लाड देवी कुम्हार के घर से बकरियां चोरी हो गई थीं। इसके अलावा कुछ अन्य घरों से भी बकरियां चोरी होने के मामले सामने आए थे। गांव के ही रमेश बलाई पर बकरी चोरी का संदेह वहां के लोग जताने लगे। तर्क था कि चोरी से पहले मौके के आसपास रमेश देखा गया है। कुछ ग्रामीणों ने रमेश बलाई को पकड़ा और गांव में पेड़ से बांध दिया। उसके बाद उसकी बेरहमी से पिटाई की। आरोप यह भी है कि ग्रामीणों ने पीड़ित के गुप्तांगों में लाल मिर्च भी डाल दी थी।

2 बेटे, 3 भाई और चाचा को गंवाने का दर्द- प्रत्यक्षदर्शी बोला- बड़ा बेटा सेप्टिक टैंक में सेंटरिंग खोलने गया था

नई दिल्ली वार्ता।घर में शौचालय के लिए सेप्टिक टैंक का निर्माण चल रहा था। टैंक में सेंटरिंग लगी हुई थी। रविवार की सुबह करीब 8 बजे बड़ा बेटा नरेंद्र अहिरवार (25) आया और बोला मैं टैंक में उतर जाता हूं। सेंटरिंग खोल देता हूं। वह टैंक के पास पहुंचा और उतरने लगा, तभी करंट की चपेट में आ गया। बड़े भाई को खतरे में देख छोटा बेटा विजय बचाने के लिए दौड़ा। जैसे ही उसने नरेंद्र को छुआ वह भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों की मौत हो गई। मेरे दो बेटे थे, दोनों ही छोड़कर चले गए। मेरी तो दुनिया उजड़ गई। यह बातें घटना के प्रत्यक्षदर्शी जगन अहिरवार ने बताई। घटना में जगन के दोनों बेटों की मौत हो गई। जगन कारीगर का काम करता है।जगन ने बताया विजय को करंट लगने के बाद, शंकर पिता हल्ली अहिरवार (34), रामप्रसाद पिता हल्ली अहिरवार (29), मिलन पिता हल्ली अहिरवार (28) और चाचा लक्ष्मण अहिरवार (60) एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में एक के बाद एक करंट की चपेट में आ गए। उन्हें देख मैं भी दौड़ा और करंट की चपेट में आ गया। तब तक किसी ने बिजली बंद कर दी। इससे मेरी जान बच गई। लेकिन मेरे दो बेटे, तीन भाई और चाचा की मौत हो गई।ग्रामीणों की माने तो जिसने भी घटना देखी वह बचाने के लिए दौड़ा और जान गंवा दी। ऐसे में एक के बाद एक परिवार के छह लोगों की जान चली गई। जगन के दोनों बेटों की मौत हो गई। बड़े बेटे नरेंद्र के दो बच्चे 4 साल और 2 साल के हैं। वहीं छोटे बेटे विजय की शादी के लिए लड़की देख रहे थे। इसके अलावा रामप्रसाद के तीन बच्चे 6, डेढ साल और ढाई साल के हैं।

पानी के तेज बहाव में बह गए दोनों; पिता ने झुंड पकड़ लिया, पुत्र को बचा न सका

नई दिल्ली वार्ता। हरियाणा के यमुनानगर जिले में पहाड़ीपुर पुल के पास मारकंडा नदी में से रेत निकालने गए बाप-बेटा हादसे का शिकार हो गए। बुग्गियों में रेत लाद रहे बाप-बेटा नदी में अचानक आए पानी के तेज बहाव में बह गए। बाप ने तो झुंड पकड़कर अपना बचाव कर लिया। लेकिन बेटा पानी के तेज बहाव में बह गया।

मृतक की पहचान गांव झूर माजरी के डेरा में रहने वाले 32 वर्षीय अवतार सिंह के रूप में हुई। वह अपने पिता 55 वर्षीय रणदेव सिंह के साथ रविवार सुबह बुग्गियों में रेत लादने के लिए पहाड़ीपुर पुल के नीचे से मारकंडा नदी में गया था। रणदेव सिंह ने बताया कि वह दोनों बुग्गियों में रेत लाद चुके थे।तभी पहाड़ों पर हुई बरसात के कारण नदी में अचानक पानी का बहाव तेज हो गया। इससे पहले की वे दोनों अपना बचाव करते, पानी के तेज बहाव में बहने लगे। थोड़ी दूर बहने के बाद रणदेव सिंह के हाथ में झुंड आ गया, जिसे पकड़कर वह किनारे तक पहुंच गया। लेकिन अवतार सिंह बहाव में लापता हो गया।रणदेव सिंह ने बताया कि उसने बचाने के लिए गुहार लगाई तो ग्रामीण दौड़े आए। जानकारी मिलते ही साढौरा व नारायणगढ़ की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अवतार सिंह की तलाश के दौरान उनका बैल और झोटा तो मिल गया। लेकिन अवतार सिंह व उनकी दोनों बुग्गियों का कोई पता नहीं चल पाया है।

वहीं अवतार सिंह के लापता होने की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। अवतार सिंह की पत्नी हरजीत कौर तथा दोनों बेटियां मनप्रीत व गुरप्रीत दोनों बदहवासी की हालत में हैं। नारायणगढ़ के एसएचओ राजेश ने बताया कि अवतार सिंह की तलाश में सर्च अभियान चल रहा है। मारकंडा नदी के किनारे स्थित सभी गांवों के सरपंचों को भी सूचित कर दिया गया है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को पकड़ा, दिनदहाड़े परिवार को बंधक बनाकर डाली थी डकैती

नई दिल्ली वार्ता।दिल्ली पुलिस ने 7 जुलाई को द्वारका के उत्तम नगर इलाके में हुई लूट के मामले में मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक बदमाश के घुटने में गोली लगी है। उसे दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने सूचना के आधार पर उत्तम नगर टर्मिनल के पास से घेराबंदी की। इस दौरान बाइक सवार दो लोगों को रुकने का इशारा किया। लेकिन बदमाश रूके नहीं। पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश को गोली लग गई। जबकि दूसरे को पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया।

आपको बता दें कि सात जुलाई को उत्तम नगर में परिवार को बंधक बनाकर दिनदहाड़े लूटपाट करने का मामला सामने आया था। चार हथियारबंद बदमाश बिजली कर्मी बनकर घर में घुसे थे। बदमाशों ने पूरे परिवार के सदस्यों को बांध दिया और लाखों रुपये की ज्वेलरी व नकदी लूटकर ले गए थे। द्वारका जिला डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार 20 से 30 वर्ष के चार हथियारबंद बदमाश जी-1/58 चौथी मंजिल, उत्तम नगर में विनोद कुमार के घर में घुस गए। उस समय घर में विनोद कुमार(49), उसकी पत्नी सीमा, मां सावित्री देवी, साले का बेटा सचिन और उसके दो बच्चे मौजूद थे।

जिले के 260 पदक विजेता खिलाड़ियों के खाते में एक हफ्ते में भेज दिए जाएंगे तीन करोड़ रुपए

नई दिल्ली वार्ता।खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा खेल उपलब्धियों के आधार पर हरियाणा खेल विभाग द्वारा भेजी गई राशि को खिलाड़ियों के अकाउंट में कैटेगरी वाइज भेजने के लिए लिस्ट तैयार की जा रही है। इसमें 260 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपए इनाम में दिए जाएंगे। इसके लिए जिला खेल विभाग ने खिलाड़ियों की जूनियर व सीनियर कैटेगरी वाइज लिस्ट तैयार की है।

पुरस्कार के लिए बचे हुए खिलाड़ी 25 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। यह खेल उपलब्धियां एक अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक होनी चाहिए। आवेदन पत्र जमा करवाने के लिए खिलाड़ी को स्वयं उपस्थित होना होगा, अन्यथा आवेदन पत्र जमा नहीं किया जाएगा।जिले के खिलाड़ी 25 जुलाई को शाम 5 बजे तक अपने आवेदन सर छोटूराम स्टेडियम स्थित कार्यालय में जमा करवा सकते है। 25 जुलाई के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र मान्य नहीं होंगे। आवेदक को आवेदन पत्र के साथ अन्य दस्तावेज भी जमा करवाने होंगे। खिलाड़ी का आवेदन पत्र निर्धारित प्रफोर्मा में होना चाहिए।यह दस्तावेज जरूरी- दस्तावेजों में खेल प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां, स्पोर्टिंग सर्टिफिकेट, खिलाड़ी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की ओर से भाग लेने का प्रमाण पत्र, प्रथम श्रेणी

मजिस्ट्रेट अथवा तहसीलदार द्वारा जारी किया गया शपथ पत्र, जन्म प्रमाण पत्र अथवा दसवीं की मार्कशीट की प्रति, रिहायशी प्रमाण पत्र की प्रति, पेन कार्ड की प्रति, आधार कार्ड की प्रति तथा बैंक पासबुक के प्रथम दो पृष्ठों की प्रति शामिल है, जिसमें बैंक खाता संख्या एवं आईएफएससी कोड दर्शाया गया हो।आवेदन के लिए अंतिम तिथि जुलाई है। इसके लिए खिलाड़ियों को स्वयं उपस्थित होना पड़ेगा। अपनी जगह दूसरे को दस्तावेज अमान्य होंगे।

डिप्टी डायरेक्टर सुनीता खत्री ने बताया कि विजेताओं के खाते में एक हफ्ते के अंदर अमाउंट डाल दी जाएगी। उन्होंने सभी कोच की समस्याएं सुनी।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस उपाधीक्षक ने किया फाटा से गौरीकुंड का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग वार्ता। पुलिस उपाधीक्षक ने फाटा, सोनप्रयाग व गौरीकुंड बाजार का निरीक्षण करते हुए व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर कोविड-19 के हालातों व बाजार की गतिविधियों के बारे में व्यापारियों से जानकारी मांगी गई। पुलिस उपाधीक्षक अनिल मनराल ने व्यापार संघ के पदाधिकारियों, घोड़ा-खच्चर संचालक, दुकानदारों के साथ बैठक कर विचार-विमर्श किया। उन्होंने सभी लोगों से कोरोना से बचाव के लिए अपने स्तर से नियमों का बखूबी पालन करने और अन्य को जागरूक करने की अपील की। कहा कि दुकानों व प्रतिष्ठानों में आने वाले ग्राहकों को सामाजिक दूरी का पालन करने, सेनेटाइजर से हाथों को समय-समय पर साफ करने और मास्क पहनने के लिए प्रेरित करने को कहा। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि सुरक्षात्मक उपाय ही संक्रमण की रोकथाम व बचाव में मददगार होंगे। उन्होंने यात्रा संचालन की संभावनाओं को लेकर व्यापारियों से विचार-विमर्श किया। इस मौके पर कोतवाल योगेंद्र सिंह गुसाईं, एसएसआई रवींद्र कुमार, चौकी प्रभारी योगेश कुमार, राजबर सिंह राणा आदि मौजूद थे।

ग्राम प्रधानों का धरना जारी

रुद्रप्रयाग वार्ता। भिलंगना ब्लाक मुख्यालय में बीते नौ दिनों से 12 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे ग्राम प्रधानों ने हवन कर सरकार से जल्द ग्राम प्रधानों की मांगों पर उचित कार्यवाही की मांग की। ग्राम प्रधानों ने ब्लाक मुख्यालय दफ्तर के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर धरना दिया। ग्राम प्रधान संगठन अध्यक्ष दिनेश भजनियाल के नेतृत्व में बीते एक जुलाई से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत ग्राम प्रधानों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। प्रधान संगठन अध्यक्ष ने कहा कि नौ दिन बीते जाने के बाद भी सरकार की ओर से ग्राम प्रधानों की मांग पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। उन्होंने शनिवार को धरना स्थल पर पुरोहित को बुलाकर हवन-यज्ञ करवाया। और सरकार से सभी मांगों के तत्काल निस्तारण की मांग की। साथ ही ग्राम प्रधानों ने सरकार को चेताया कि उनकी नाराजगी सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में भारी पड़ सकती है। संगठन सचिव वीरपाल बिष्ट ने कहा कि विगत एक वर्ष से सरकार ग्राम प्रधानों की मांगों पर केवल कोरा आश्वासन दे रही है। कहा सरकारें लगातार पंचायतों को कमजोर करने में लगी, जो प्रदेश तथा जनता के हित में उचित नहीं है। कहा मांगें पूरी न होने तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

युवा निवेश जागरुकता विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित

रुद्रप्रयाग वार्ता। स्व.धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर के वाणिज्य विभाग की ओर से युवा निवेश जागरुकता विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया । विशेषज्ञों ने वेबिनार के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों को निवेश के बारे में जानकारी दी। शनिवार को आयोजित ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रीति रानी ने निवेश के महत्व को समझाते हुए विशेषज्ञों का स्वागत किया द्य अजमेर से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की विशेषज्ञ शकुंतला पारीख ने स्टॉक एक्सचेंज के इतिहास के बारे में बताते हुए छात्रों को निवेश के गुर बताये, साथ ही पोंगी स्कीम से बचकर रहने की जानकारी भी दी। गुरुग्राम से विशेषज्ञ जफरुद्दीन ने छात्रों को विभिन्न प्रकार के निवेश साधनों से अनभिज्ञ करवाया। कहा आज के समय में जबकि ब्याज दरें गिरती जा रही हैं उस समय अपने प्रत्याय को किस प्रकार से बढ़ाया जाए द्य उन्होंने म्यूच्यूअल फंड के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

एनएच के अधूरे कामों से बढ़ी मुश्किल

रुद्रप्रयाग वार्ता। चारधाम परियोजना में एनएच श्रीनगर द्वारा नगर मुख्यालय आधा अधूरा काम करने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बीते लम्बे समय से एसबीआई के निचली तरफ न तो नाली बनाई गई और न ही पुश्ता निर्माण किया गया जिससे यहां हाईवे पर दुर्घटना की संभावना बनी है। वहीं दूसरी ओर हाईवे पर बारिश का पानी लोगों के घरों और दुकानों में समा रहा है। नगर में ऑलवेदर के चलते सड़क चौड़ीकरण का काम काफी वक्त गुजरने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। हालांकि एनएच के अधिकारियों का कहना है कि लोगों द्वारा समय पर जगह खाली न करने और अन्य कई तकनीकी कारणों से काम नहीं हो सका है किंतु अधिकांश काम पूरा कर लिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच की कार्यदायी संस्था द्वारा काम तो तेजी से पूरा करने के बजाय लेट लतीफी की जा रही है। कई जगहों पर अभी तक हाईवे के एक छोर पर काम पूरा नहीं हो पाया है ।

मौसम की बेरुखी किसान चिंतित महंगे भाव के बीज लाकर बोनी की सूखने की कगार पर

मंदसौरवार्ता। गरोठ तहसील गरोठ तहसील क्षेत्र में मौसम की बेरुखी अल्प वर्षा से हो रहे हैं किसान चिंतित जून माह में प्री मानसून की बारिश में कई किसानों ने बोवनी कर दी किसान हो रहे चिंतित किसानों का दर्द सुनने समझने वाला कोई नहीं गरोठ तहसील के गांव ढाबला मोहन उदलिया भामखेड़ी लखम खेड़ी मोरडी बालोदा क्षेत्र के किसानों ने प्रतिनिधि को बताया है कि बारिश समय नहीं होने से किसान हो रहे परेशान कई किसानों ने बोवनी कर दी फसल सूखने की कगार पर कई किसानों के सोयाबीन उड़द मूंग मक्का जैसी फसलें सुख गई है जिसका ध्यान किसी का भी नहीं गया क्षेत्र के किसानों जसे तैसे महगा भाव का बीज इकट्ठा कर बोवनी कर दी और फसल सूखने की कगार पर डबल बोनी किसान कर नहीं सकता ऐसे में गरोठ तहसील के क्षेत्र किसानों की आर्थिक स्थिति खराब होने की कगार ऐसे में जिले के कृषि विभाग ने भी किसानों को प्री मानसून में बोवनी नहीं करने की सलाह न दी ऐसे में किसानों ने बोनी कर दी जिला प्रशासन से निवेदन है कि गरोठ तहसील क्षेत्र में डबल बोवनी जैसे हालात बन चुके हैं डबल बोनी के लिए फ्री बीज उपलब्ध कराया जाए मौसम की बेरुखी किसान चिंतित महंगे भाव के बीज लाकर बोनी की सूखने की कगार पर

मंदसौर गरोठ तहसील गरोठ तहसील क्षेत्र में मौसम की बेरुखी अल्प वर्षा से हो रहे हैं किसान चिंतित जून माह में प्री मानसून की बारिश में कई किसानों ने बोवनी कर दी किसान हो रहे चिंतित किसानों का दर्द सुनने समझने वाला कोई नहीं गरोठ तहसील के गांव ढाबला मोहन उदलिया भामखेड़ी लखम खेड़ी मोरडी बालोदा क्षेत्र के किसानों ने प्रतिनिधि को बताया है कि बारिश समय नहीं होने से किसान हो रहे परेशान कई किसानों ने बोवनी कर दी फसल सूखने की कगार पर कई किसानों के सोयाबीन उड़द मूंग मक्का जैसी फसलें सुख गई है जिसका ध्यान किसी का भी नहीं गया क्षेत्र के किसानों जसे तैसे महगा भाव का बीज इकट्ठा कर बोवनी कर दी और फसल सूखने की कगार पर डबल बोनी किसान कर नहीं सकता ऐसे में गरोठ तहसील के क्षेत्र किसानों की आर्थिक स्थिति खराब होने की कगार ऐसे में जिले के कृषि विभाग ने भी किसानों को प्री मानसून में बोवनी नहीं करने की सलाह न दी ऐसे में किसानों ने बोनी कर दी जिला प्रशासन से निवेदन है कि गरोठ तहसील क्षेत्र में डबल बोवनी जैसे हालात बन हैं डबल बोनी के लिए फ्री बीज उपलब्ध कराया जाएगी।

सुबह होते ही कबाड़ बीनने को निकल पड़ते हैं नौनिहालों के जत्थे

उरई वार्ता। जहां पर एक और बाल श्रम जैसी कुरीति को दूर करने की दिशा में शासन और प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयास उनके उत्थान के लिए बनाए गए हैं तो वही हकीकत यह है कि अभी भी बड़ी संख्या में नौनिहाल सुबह होते ही कबाड़ बीनने के लिए कंधे पर बोरी टांगकर निकल पड़ते हैं। पढ़ने लिखने की उम्र में रोजी रोटी के प्रबंध की चिंता कर रहे इन बच्चों को ना तो भविष्य को लेकर ही कोई चिंता है और ना ही वर्तमान की फिक्र इन्हें तो बस 2 जून की रोटी के प्रबंध की ही चिंता है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देखा जा रहा है कि बाल श्रम जैसी कुरीति को रोकने की दिशा में शासन और प्रशासन स्तर से व्यापक कार योजनाएं बनाई गई जिम्मेदार विभागीय अम्लों के अलावा स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस दिशा में आगे आए लेकिन देखा जा रहा है कि

इस सब के बावजूद बाल श्रम को रोका नहीं जा सका है मौजूदा स्थिति यह है कि सुबह होते ही बड़ी संख्या में नौनिहाल बच्चे कबाड़ बीनते नजर आते हैं और देर शाम तक उनका यह सिलसिला बदस्तूर जारी रहता है नगर के बाजारों में तो यह स्थिति है कि दिन भर दुकानों के इर्द-गिर्द फेंके जाने वाले कबाड़ को अगली सुबह होने से पहले ही इकट्ठा करने की चाह रखने वाले यह बच्चे भोर होते ही निकल पड़ते हैं और जगह-जगह दुकानों के सामने पड़े कचडे को इकट्ठा करने लगते है। वह कचडा बीनने के उपरांत उन स्थानों पर जाते हैं जहां रिहायशी बस्तियों के बीच कचरा पड़ा होता है और उस कचरे में से वह लोहा प्लास्टिक से निर्मित कबाड़ को इकट्ठा कर देर शाम उसे बड़े कबाड़ी ओ की दुकानों पर बेचने पहुंच जाते हैं फिलहाल जो भी हो लेकिन सोचने वाली बात यह है कि नौनिहालों का भविष्य अंधकार में होता जा रहा है और उन्हें इस बात से कोई सरोकार नहीं है। इतना ही नहीं कई छोटी उम्र के बच्चे चाय पकौडी की दुकान पर काम करते देखे जा रहे है। सुबह से लेकर शाम तक वह लोगों को चाय ले जाकर देना एवं जूठे वर्तनों को धोते नजर आ रहे है।

लॉकडाउन के चलते कई समाचार पत्रों की प्रिंटिंग हुई प्रभावित

भोपाल वार्ता। मध्यप्रदेश जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा हर साल की तरह इस साल भी विज्ञापन सूची मे शामिल समस्त अखबारों के लिए वार्षिक पुनरीक्षण प्रपत्र जारी कर दिया गया है। जिसमें विभिन्न दस्तावेजों के साथ एक वर्ष के अखबार भी मांगे गये है। जिसकी अंतिम तिथि 17 जुलाई तय की गई है। इसके लिए एक कमेटी का गठन भी किया गया है,जिनके सदस्य जमा की जाने वाली फाइलों की जांच करेंगे। सवाल यह उठता है कि मध्यप्रदेश सहित पूरा देश पिछले डेढ़ साल से भीषणतम त्रासदी कोरोना महामारी से जूझ रहा है। जहां आम आदमी अपनी और परिवार की कोरोना से सुरक्षा के साथ ही लगाये गये लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित हुआ। सारे कारखाने फैक्ट्री और प्रिंटिंग मशीनें बन्द हो गई थी।

न्यूज पोर्टल के संपादक और रिपोर्टर पर केस दर्ज

हरिद्वारवार्ता। अश्लील वीडियो को एडिट कर एक युवक का चेहरा लगाकर स्क्रीन शॉट न्यूज पोर्टल पर चलाने के आरोप में संपादक और उसके रिपोर्टर के खिलाफ ज्वालापुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले युवक ने शिकायत दी। जिसमें उसने बताया कि बीती पांच जुलाई को न्यूज पोर्टल के संपादक ने एक न्यूड वीडियो पर लडकी के साथ उसका चेहरा एडिट कर उसका स्क्रीन शॉट अपने पोर्टल पर अपलोड किया। आरोप लगाया कि षड्यंत्र के तहत उसके साथ ऐसा किया गया है। जिससे वह तनाव से जूझ रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने न्यूज पोर्टल के संपादक संजय कश्यप निवासी गोविंदपुरी और संवाददाता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। इसकी पुष्टि कोतवाली प्रभारी चंद्र चंद्राकर नैथानी ने की है।

आप नेता के बयान का विरोध किया

हरिद्वारवार्ता। शिव कांवड़ विक्रेता व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बैठक कर आम आदमी पार्टी के नेता रविंद्र जुगरान के कांवड़ यात्रा पर बयान का विरोध किया है। व्यापारियों ने कहा कि एक तरफ आम आदमी पार्टी उत्तराखंड में सरकार बनाने के सपने देख रही है, दूसरी तरफ पार्टी के नेता राज्य के व्यापारियों का विरोध करने का काम कर रहे हैं। श्रावण कांवड़ मेले से लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा होता है। मेले का विरोध करने वाले नेता का कार्य निंदनीय है। इस दौरान अध्यक्ष विजय शंकरहरीश चंद्र, सतीश कुमार, नीरज बागड़ी, अशोक घावरी, राजेंद्र, विकास, शिवकुमार, शुभम, सोनू, रमेश कुमार, मन्नु, दीपू आदि मौजूद रहे।

जिले के बाजारों में साप्ताहिक बंदी के आदेश जारी

हरिद्वार**वार्ता। जिलाधिकारी सी. रविशंकर ने एक बार फिर बाजारों में** साप्ताहिक बंदी लागू करने के आदेश जारी कर दिए हैं। जिले भर के बाजारों में अलग-अलग दिन साप्ताहिक बंदी रखी गई है। हरकी पैड़ी क्षेत्र के कारोबारियों को रविवार को साप्ताहिक बंदी से राहत मिल गई है। वीकेंड पर शनिवार और रविवार को हरकी पैड़ी क्षेत्र में बाहरी यात्रियों की जमावड़ा लगा रहता है। ऐसे में बाजार बंद होने से व्यापारियों को नुकसान होता था। व्यापारियों की मांग पर जिलाधिकारी ने इस बार के आदेश में हरकी पैडी क्षेत्र में बुधवार को साप्ताहिक बंदी रखी है। साप्ताहिक बंदी वाले दिन नगर निगम, नगर पालिका व पंचायतों को बाजारों में सेनेटाइजेशन के आदेश दिए गए हैं। साप्ताहिक बंदी के दिन आवश्यक सेवाओं में कैमिस्ट, फल-सब्जी, मिठाई की दुकानें, पेट्रोल पंप, आटा चक्की, गैस एजेंसी, डेयरी, होम डिलीवरी, मीट मछली की दुकानें सुबह 8 से शाम 7 बजे तक संचालित की जा सकेंगी। हेयर कटिंग सैलून मंगलवार को, समस्त आटोमोबाइल वर्कशॉप और शोरूम शनिवार को बंद रखे जाएंगे। साप्ताहिक बंदी के दिनों में वाहनों के आवागमन पर छूट रहेगी। साप्ताहिक बंदी के दौरान निर्माण कार्य तथा इकाईयों से संबंधित गतिविधिया संचालित हो सकेगी।

लापता व्यक्ति का शव कीर्तिनगर के पास मिला

रुद्रप्रयाग वार्ता। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि रेस्क्यू दल द्वारा घटना के बाद से लापता की खोज की जा रही थी। बीते शुक्रवार को दोपहर बाद कीर्तिनगर के समीप लापता चल रहे दयाल सिंह बिष्ट (48) पुत्र उमराव सिंह बिष्ट, निवासी सूया, तहसील थराली चमोली का शव बरामद किया गया। रुद्रप्रयाग कोतवाल जयपाल सिंह नेगी की सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेजा। जहां सभी औपचारिकताएं पूरी करने के शव परिजनों को सौंप दिया गया है। बता दें कि 5 जुलाई को चमोली जिले के देवाल ब्लॉक के सूया गांव के एक ही परिवार के छह लोग देहरादून जा रहे थे।

दीपिका पादुकोण ने शुरु की फिल्म पठान की शूटिंग

नयी दिल्ली वार्ता। कोरोना के चलते लगे लॉकडाउन की पाबंदियों में मिली छूट के बाद कई फिल्मों की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हालात को काबू में देखते हुए मेकर्स अपनी फिल्मों की शूटिंग की योजना बना रहे हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि दीपिका पादुकोण ने अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म पठान की शूटिंग शुरू कर दी है। दीपिका इस फिल्म में एक अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। शाहरुख फिल्म में लीड किरदार में नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने मुंबई में शाहरुख के साथ पठान की शूटिंग शुरू कर दी है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने दीपिका की तस्वीरें शेयर करते हुए यह जानकारी दी है, जो पठान के सेट पर मौजूद था। शनिवार को दीपिका को फिल्म के सेट से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया था। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। शाहरुख और दीपिका को चेन्नई एक्सप्रेस और ओम शांति ओम जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है।

एक सूत्र ने बताया, शाहरुख और जॉन अब्राहम के बाद अब दीपिका ने भी बहुप्रतीक्षित फिल्म पठान की शूटिंग शुरू कर दी है। हमारी पीढ़ी के बड़े सुपरस्टार्स को महामारी के बावजूद शूटिंग शुरू करते हुए देखना वाकई में आश्चर्यजनक है। यह इंडस्ट्री को मजबूत और सकारात्मक संदेश देता है। जब पठान जैसी बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू होती है, तो इंडस्ट्री को नई स्फूर्ति मिलती है। दीपिका इस बताया जा रहा है कि वह अगले 15-20 दिनों तक इस फिल्म की शूटिंग करेंगी। सूत्र ने बताया कि उन्हें फिल्म में दीपिका के रोल के बारे में अधिक जानकारी नहीं मिली है। कहा जा रहा है कि दीपिका को एक अनोखे किरदार में देखा जाएगा। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म में दीपिका को एक खुफिया एजेंट के किरदार में देखा जाएगा। अभिनेत्री को फिल्म में भरपूर एक्शन अवतार में देखा जा सकता है। फिल्म में जॉन को खलनायक की भूमिका में देखा जाएगा।

नसीरुद्दीन शाह बोले- मैं दिलीप कुमार से मिलना चाहता था लेकिन दुर्भाग्य से जिस दिन मैं गया, वह भी चले गए

नयी दिल्ली वार्ता। नसीरुद्दीन शाह ने बताया दिलीप कुमार की पत्नी सायरा बानो हाल ही में मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में उनसे मिलने गई थीं। नसीरुद्दीन को निमोनिया होने के बाद और दिलीप को भी पिछले हफ्ते मौत से पहले इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिलीप कुमार का लंबी बीमारी के बाद 7 जुलाई को निधन हो गया था। सांस फूलने की शिकायत के बाद उन्हें 30 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।नसीरुद्दीन ने एक इंटरव्यू में बताया- सायरा मुझसे मिलने आईं थीं, उन्होंने मेरे सिर पर हाथ रखा और मुझे आशीर्वाद देकर कहा- साहब आपके बारे में पूछ रहे थे। मैं बहुत हिल गया था। जाने से पहले मैं उनसे मिलना चाहता था लेकिन दुर्भाग्य से जिस दिन मैं गया, वो भी चले गए।नसीरुद्दीन शाह को भी लगभग उसी समय अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें 7 जुलाई को भी छुट्टी दे दी गई थी।नसीरुद्दीन ने मुंबई में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए खुलासा किया कि दिलीप कुमार ने एक बार उन्हें एक्टिंग में करियर नहीं बनाने कहा था। दिलीप ने उनसे कहा, मुझे लगता है कि आपको वापस जाकर पढ़ाई करना चाहिए। अच्छे परिवार के लोगों को अभिनेता बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए नसीर उस वक्त अपने माता-पिता के संपर्क में नहीं थे।

राधिका मदान ने कहा- लोगों ने दी थी सलाह, हीरोइन बनना है तो बॉडी पार्ट्स का शेप और साइज सही करो

नयी दिल्ली वार्ता। एक्ट्रेस राधिका मदान का बॉलीवुड करियर शुरुआती दौर में है, पर अपने दमदार अभिनय के दम पर उन्होंने कम ही वक्त में काफी शोहरत हासिल कर ली है। हालांकि, उन्हें भी बॉलीवुड की उस सच्चाई का सामना करना पड़ा है, जिससे ज्यादातर एक्ट्रेस दो-चार होती हैं। राधिका ने बताया कि जब वे फिल्मों में रोल हासिल करने की कोशिश कर रही थीं तो उन्हें कई लोगों ने सलाह दी थी कि हीरोइन बनने के लिए कुछ बॉडी पार्ट्स का शेप और साइज सही करना होगा।

कुछ लोगों ने कहा था सर्जरी करवा लोराधिका ने अपनी आपबीती साझा की और बताया- मुझे बताया गया कि हीरोइन बनने के लिए खास शेप, साइज और हाइट में होने की जरूरत है। कुछ ने तो यह भी सलाह दी कि कुछ बॉडी पार्ट्स सही करने के लिए सर्जरी करवा लो। मैंने हमेशा इस पर सवाल उठाए, क्योंकि मुझे लगता था कि मैं सही हूं। ये लोग ये बताने वाले कौन हैं कि मैं सुंदर नहीं हूं।

उन्होंने बताया, कोशिशों के बावजूद डेढ़ साल तक मुझे काम नहीं मिला। ऐसे वक्त में बहुत आसान था कि मैं खुद पर शक करने लग जाती, लेकिन मैं यह जानती थी कि सफर मायने नहीं रखता, मायने रखती है मंजिल। मैंने ऑडिशन में लगातार धमाकेदार परफॉर्मेंस करने की कोशिशें जारी रखीं। इसके बाद मैंने अपनी पहली फिल्म साइन की और इसके बाद दूसरे प्रोजेक्ट भी मिले।राधिका ने विशाल भारद्वाज की फिल्म पटाखा से बॉलीवुड में एंट्री की थी और जिसमें उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इसके बाद उन्होंने मर्द को दर्द नहीं होताफिल्म में काम किया और इसके बाद उन्हें इंग्लिश मीडियम% में भी अहम रोल मिला। उन्होंने टीवी शो मेरी आशिकी तुमसे है% में भी काम किया। इसके बारे में उन्होंने बताया कि टीवी शो के दौरान उन्हें सोने का वक्त नहीं मिलता था, जिसकी वजह से उनका वजन भी काफी बढ़ गया था।

रत्सासन की हिन्दी रीमेक का नाम होगा मिशन सिंड्रेला, अक्षय और रकुल प्रीत आएंगे नजर

नयी दिल्ली वार्ता। अक्षय कुमार बॉलीवुड के मौजूदा दौर के सबसे व्यस्त अभिनेताओं की सूची में शामिल हैं। इस साल उनकी कई फिल्में रिलीज हो सकती हैं। हाल के दिनों में अक्षय रंजीत तिवारी की एक फिल्म को लेकर सुर्खियों में थे। खबर सामने आई थी कि यह तमिल क्लासिक रत्सासन की हिन्दी रीमेक होगी। अब जानकारी सामने आ रही है कि रत्सासन की हिन्दी रीमेक का टाइटल मिशन सिंड्रेला रखा गया है। फिल्म में अक्षय के साथ रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय अभिनीत रंजीत की रत्सासन की हिन्दी रीमेक का टाइटल मिशन सिंड्रेला निर्धारित किया गया है। एक सूत्र ने बताया, अक्षय की इस फिल्म का नाम मिशन सिंड्रेला है, जिसमें अक्षय एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स फिल्म को यूनाइटेड किंगडम के कुछ लोकेशंस के साथ लंदन में शूट करने की योजना बना रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी।

सूत्र ने आगे बताया कि इस फिल्म में अक्षय बच्चों का अपहरण करने वाले गिरोह को पकडने के लिए मिशन को अंजाम देते हुए नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि फिलहाल निर्माता ने अस्थायी रूप से इस प्रोजेक्ट को सिंड्रेला या मिशन सिंड्रेला नाम दिया है। इस फिल्म को जैकी भगनानी और वाशु भगनानी द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। अभी फिल्म के लिए प्री-प्रोडक्शन काम शुरू हो चुका है। इस फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू हो सकती है।

अक्षय इससे पहले कई रीमेक फिल्मों के प्रोजेक्ट में काम कर चुके हैं। अक्षय ने कंचना की हिन्दी रीमेक लक्ष्मी में काम किया था, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। वह आने वाले दिनों में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म बच्चन पांडे में भी नजर आएंगे, जो तमिल फिल्म जिगरथंडा की हिन्दी रीमेक है। इस फिल्म में अक्षय के साथ जैकलीन फर्नांडिस, कृति सेनन और बॉबी देओल अहम भूमिकाओं में दिखने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी कर रहे हैं।

रत्सासन 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे फिल्म का अहम पात्र अरुण फिल्म निर्माता बनने के सपने को छोड़ देता है और अपने पिता की मृत्यु के बाद एक पुलिस अधिकारी की नौकरी करता है। वह एक साइको किलर को ट्रैक करने की कोशिश करता है, जो छात्राओं को निशाना बनाता है। फिल्म का निर्देशन राम कुमार ने किया है, जिसमें अमला पॉल, अम्मू अभिरामी और काली वेंकट अमह भूमिका में दिखे हैं।

अक्षय की कई फिल्में रिलीज की कतार में शामिल हैं। वह इस साल फिल्म सूर्यवंशी में नजर आने वाले हैं।

स्वास्थ्य

जानिए नूडल्स खाना कितना खतरनाक हो सकता है

नयी दिल्ली वार्ता। दिन में तीन बार भोजन करने के अलावा बहुत भूख लग रही है? आसान समाधान खोज रहे हैं? अगर ऐसा है तो कई लोग ऐसे भी हैं जो कम समय में पेट भरने का उपाय खोजने के लिए समय पर किचन नहीं जाते हैं। ऐसे में बहुत से लोग इंस्टेंट नूडल्स पसंद करते हैं। खासकर छात्रों से लेकर व्यस्त लोगों तक, इंस्टैंट नूडल्स का हर कोई फैन होता है। फिर से खाना बनाने की परेशानी से बचने के लिए कई लोग इस खाने का इस्तेमाल दिन-ब-दिन करते हैं। तो इस प्रकार के नूडल्स की लोकप्रियता अब अपने चरम पर है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन नूडल्स से पेट भरने में क्या नुकसान है? आप नहीं जानते होंगे - आप अनजाने में इन सभी खाद्य पदार्थों के लिए खतरा ला रहे हैं।

न्यूट्रिशनिस्ट्स के मुताबिक, अगर उबला हुआ खाया भी जाए तो ये फूड किसी भी दूसरे जंक फूड से ज्यादा हानिकारक होते हैं। पोषण विशेषज्ञ कहते हैं कि इस प्रकार के भोजन का कोई पोषण मूल्य नहीं होता है। बल्कि इसमें मौजूद सिंथेटिक केमिकल्स शरीर की अतिरिक्त चर्बी को बढ़ा देते हैं।

डॉक्टरों के मुताबिक इंस्टेंट नूडल्स में सिंथेटिक एंटीऑक्सीडेंट टीबीएचक्यू होता है। जो शरीर में 0.02-0.03 प्रतिशत से ज्यादा पहुंच जाए तो खतरनाक हो सकता है। यह लगभग 300 मिलीग्राम प्रति किलो होने की सिफारिश की जाती है। लेकिन नूडल्स में मात्रा इतनी अधिक होती है कि यह धीरे-धीरे लीवर की पुरानी बीमारी का कारण बनती है और पाचन प्रक्रिया को बाधित करती है।

नूडल्स को पचने में काफी समय लगता है। तो पेट भारी लगता है। नतीजतन, कई लोग नूडल्स खाने, पाचन विकार और यहां तक कि उल्टी करने के बाद भी अपनी भूख खो देते हैं।

हानिकारक मोनोसोडियम ग्लूटामेट की उपस्थिति के कारण, इस भोजन के अत्यधिक सेवन से लीवर की समस्याओं के अलावा विभिन्न तंत्रिका संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल और मोटापा भी इन्हीं हानिकारक तत्वों के कारण होता है। इसलिए भूख मिटाने के लिए इंस्टेंट नूडल्स पर भरोसा करने से पहले सावधान हो जाएं।

हेल्दी और ग्लोइंग स्किन के लिए माइश्चर सैंडविच, इससे त्वचा का रूखापन दूर होगा पर आएगा गजब का निखार

नयी दिल्ली वार्ता। ड्राय स्किन पर चाहे जितना मॉइश्चराइजर लगा लें असर नहीं करता है, थोड़ी ही देर में स्किन फिर ड्राय लगने लगती है। ड्राय स्किन की परेशानी को समझते हुए स्किन केयर एक्सपर्ट्स इन दिनों मॉइश्चर सैंडविच की सलाह दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये काफी मशहूर हो रहा है।

क्या है मॉइश्चर सैंडविच

स्किन केयर प्रोडक्ट्स को लगाने का ये एक तरीका है जिससे हर प्रोडक्ट स्किन पर ज्यादा असरदार साबित हो और स्किन की नमी बनी रहे। इसमें स्किन को प्लंप और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए डैंप स्किन पर सबसे पहले लाइट प्रोडक्ट्स लगाते हैं, इसके बाद स्किन को हेवी मॉइश्चराइजर या ऑइल से लेयर किया जाता है। मॉइश्चर सैंडविच में हर लेयर के बाद स्किन को डैंप करने के लिए टैप-वॉटर या फेस मिस्ट का उपयोग किया जाता है।

ये हैं फायदे

हो सकता है कि हर बार मॉइश्चराइजर को लेयर करने के बाद स्किन को फेस मिस्ट या टैप वॉटर से डैंप करना आपको ज्यादा मेहनत लगे लेकिन यह तरीका बेहद असरदार साबित होता है। इसमें स्किन मॉइश्चर को अंदर तक सोख लेती है, नतीजा - आपको हेल्दी, प्लंप और ग्लोइंग स्किन मिलती है।

ऐसे करें

1. सबसे पहले तो साधारण क्लेंसर के साथ चेहरा क्लीन करें। इसके बाद टोनर लगाएं।

2. टोनर स्किन के अंदर पूरी तरह पेनिट्रेट हो उससे पहले सीरम से चेहरा मसाज करें।

3. अब यहीं से सैंडविच प्रक्रिया शुरू होगी। अगला स्किन प्रोडक्ट लगाने से पहले स्किन को फेशियल मिस्ट या टैप वॉटर से हल्का गीला कर लें। इसके बाद स्किन हाइड्रेटिंग बूस्टर लगा सकते हैं।

4. आखिरी स्टेप में स्किन को एक बार फिर फेस मिस्ट से हल्का गीला कर हैवी मॉइश्चराइजर लगाकर सील कर दें। इस प्रक्रिया को रात को सोने से पहले हर दिन दोहराएंगे, तो ड्राय स्किन की बजाय हेल्दी-ग्लोइंग स्किन पाएंगे।

सावधानी- रेटिनॉल और एक्सफोलिएटिंग एसिड के साथ सैंडविच प्रक्रिया ना करें। कॉम्बिनेशन या ऑइली स्किन है, तो इस प्रक्रिया के दौरान हैवी मॉइश्चराइजर अवॉयड करें।

अगर मेसी यह टूर्नामेंट नहीं जीतते तो फुटबॉल की दुनिया हमेशा उनकी क़र्ज़दार रहती

अर्जेन्तीना वार्ता। लियोनल मेस्सी के पास सबकुछ था, सिवाय इस स्वर्ण-पदक के। वह शिखर पर था, किंतु उसके सिर पर कोई मुकुट नहीं था। यह आकाश-वृत्ति उसको छलती थी। स्वर्ण-पदक- जो तब उसके गले में कंठहार की तरह पहनाया जाता, जब उसने बार्सीलोना की लाल-नीली नहीं, अर्जेन्तीना की सफ़ेद-फ़ीरोज़ी जर्सी पहनी हो। लेकिन यह कभी हुआ नहीं था। यह स्वर्ण-पदक मेस्सी के लिए एक ऐसा स्वर्णमृग बन गया था, जिसकी मरीचिका उसे दूर खींचे लिए जाती थी, उसे विकलता से भरती थी, किंतु लक्ष्य अर्जित नहीं होता था। चंद्रमा पर दाग़ था, स्वर्ण में सुगन्ध नहीं थी, मणि में कोमलता नहीं- कुछ ना कुछ हमेशा अधूरा रह जाता था।अर्जेन्तीना ने आख़िरी बार वर्ष 1993 में एक अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफ़ी जीती थी। वो दिएगो मारादोना के पराभव का दौर था। विश्व-विजय का गौरव पहले ही अर्जेन्तीना के हिस्से में आ चुका था। किंतु जिस खिलाड़ी को मारादोना के बाद अर्जेन्तीना का सबसे बड़ा फ़ुटबॉलर एक-स्वर से स्वीकारा गया, वो अपना पूरा कॅरियर बिता देने के बावजूद इस अभाव की पूर्ति नहीं कर सका था। आज सुबह यह चित्र बदल गया। अर्जेन्तीना ने एक इंटरनेशनल ट्रॉफ़ी जीत ली। उसने वैसा लियोनल मेस्सी की सरपरस्ती में किया। मेस्सी ने ना केवल ट्रॉफ़ी उठाई, बल्कि टूर्नामेंट में श्रेष्ठता के दूसरे पुरस्कार भी अपने नाम किए। मेस्सी चाहें तो अब इस ट्रॉफ़ी को मुकुट की तरह अपने सिर पर पहन सकते हैं। राजा का सिर अब नंगा नहीं है। स्वर्ण-मृग अब छलावा नहीं। चन्द्रमा पूर्ण हो गया है और उसकी कान्ति ने कालिमा को छुपा दिया है।

किन्तु वैसी नौबत आनी नहीं चाहिए थी। आप कभी किसी श्रेष्ठ खिलाड़ी का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं कर सकते कि उसने कितने गोल किए और कितने पदक जीते। बहुत सम्भव है कोई बहुत अच्छा खेलकर भी हार जाए। अपने तमाम नियमों, रणनीतियों और प्रतिभा के प्राकट्य के बावजूद फ़ुटबॉल का खेल एक ऐसी अराजकता की अभिव्यक्ति है, जिसमें आप हमेशा चीज़ों के लिए तर्क नहीं प्रस्तुत कर सकते। यहाँ चंद सेंटीमीटर के फ़ासले से नियतियाँ बनती और बिगड़ती हैं। तब आपको यह याद रखना होता है कि कौन मन से खेला, किसने एक ख़ूबसूरत मूवमेंट से हमारी तबीयत हरी की, किसने सुन्दरता के प्रतिमान रचे, किसने हमें सामूहिक रूप से दाद देने पर मजबूर कर दिया।

क्योंकि, योहन क्रुएफ़ ने कभी विश्व-कप नहीं जीता, दिएगो मारादोना ने कभी चैम्पियंस लीग नहीं जीती, रोबेर्तो बैजियो विश्व-कप फ़ाइनल में निर्णायक पेनल्टी चूक गया, ज़िनेदिन ज़िदान विश्व-कप फ़ाइनल में रेडकार्ड का कलंक लेकर लौटा, 1974 की नीदरलैंड्स और 1982 की ब्राज़ील सर्वकालिक महान टीमें होने के बावजूद ख़ाली हाथ रहीं, चावी और इनीएस्ता ने कभी बैलोन डी ओर नहीं जीता। क्या फ़र्क़ पड़ता है? क्या फ़ुटबॉल का इतिहास क्रुएफ़, मारादोना, बैजियो, ज़िदान, सोक्रेटीज़, चावी, इनीएस्ता के बिना लिखा जा सकता है? क्या फ़ुटबॉल का इतिहास मेस्सी के बिना लिखा जाता? क्या इतिहास यह बयान करता कि लियोनल मेस्सी ने एक भी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफ़ी नहीं जीती, इसलिए वह दोयम दर्जे का खिलाड़ी था? अगर वैसा होता तो इससे फ़ुटबॉल की भावना शर्मिंदा होती।

इटली के पास 53 साल बाद ट्रॉफी उठाने का मौका, इंग्लैंड पहली बार टूर्नामेंट जीतना चाहेगा

लंदन वार्ता। करीब 30 दिन और 46 मैच के बाद यूरो कप फुटबॉल टूर्नामेंट अपने अंजाम तक पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट को 2 फाइनलिस्ट टीमें इटली और इंग्लैंड के रूप में मिल चुकी हैं। दोनों के बीच फाइनल लंदन के वेम्बली स्टेडियम में भारतीय समयानुसार 12 जुलाई को रात 12ः30 से खेला जाएगा।

इटली की टीम 53 साल बाद यूरो कप ट्रॉफी जीतना चाहेगी। उसने पिछली बार यह खिताब 1968 में युगोस्लाविया को हराकर जीता था। वहीं, इंग्लैंड का यह पिछले 55 साल में पहला मेजर टूर्नामेंट (वर्ल्ड कप/यूरो कप) फाइनल है।

1966 में इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप जीता था। यूरोपीय देशों में 2 फाइनल के बीच यह सबसे लंबा गैप है। टीम पहली बार यूरो कप के फाइनल में पहुंची है। टूर्नामेंट में इंग्लिश टीम का पिछला बेस्ट परफॉर्मेंस 1996 में रहा था। तब टीम सेमीफाइनल में हारकर बाहर हुई थी।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के पास पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ने का मौका होगा। हैरी ने इस सीजन में अब तक 4 गोल दागे हैं। जबकि, रोनाल्डो के नाम 5 गोल हैं। हैरी के अलावा स्टर्लिंग के 3 गोल हैं। बाकी सभी खिलाड़ी इनसे पीछे हैं।यह इटली का 10वां मेजर टूर्नामेंट फाइनल होगा। टीम 6 बार वर्ल्ड कप और इस बार को मिलाकर 4 बार यूरो कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। यूरोपियन देशों में इटली से ज्यादा सिर्फ जर्मनी ने ही 14 मेजर टूर्नामेंट फाइनल खेला है।

इटैलियन टीम 2000 और 2012 यूरो कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। 2000 में उन्हें फ्रांस और 2012 में स्पेन के हाथों हार मिली थी। जर्मनी और स्पेन ही इटली से ज्यादा बार फाइनल में जाकर हारी है।

चोट के बाद मजबूती से वापसी की: बेरेटिनी

लंदन वार्ता। सातवीं सीड इटली के मातेओ बेरेटिनी ने कहा है कि इस साल की शुरूआत में चोटिल होने के बाद उन्हें कुछ दिक्कतें हो रही थीं, लेकिन वह संघर्ष से उबरकर मजबूती से वापसी कर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं जो उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल है। बेरेटिनी ने सेमीफाइनल मुकाबले में पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज को हराकर फाइनल में जगह बनाई है जहां उनका सामना विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगा। बेरेटिनी ने मैच के बाद कहा, अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल के लिए काफी खुश हूं। मेरा साल अच्छे से शुरू हुआ था और मैं एटीपी कप के फाइनल में पहुंचा था। इसके बाद मैं फिर चोटिल हो गया और मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैंने फिर मजबूती से वापसी की। मुझे लगता है कि खिताबी मुकाबले में जाने का मैं हकदार था।

शापोवालोव को हराकर जोकोविच 30वें ग्रैंड स्लैम के फाइनल में

लदंन वार्ता। टेनिस ग्रैंड स्लैम विम्बलडन 2021 के फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। पिछले बार के विजेता नोवाक जोकोविच एक बार फिर से खिताबी मुकाबले में पहुंच गए हैं। रविवार को उनका मुकाबला पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले माटेओ बेरेटिनी से होगा। नोवाक जोकोविच ने दूसरे सेमीफाइनल में 10वीं वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 7-6 (3), 7-5, 7-5 से हराया। सर्बियाई स्टार 30वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं।जोकोविच करियर में 5 बार विम्बलडन खिताब जीत चुके हैं। इसके अलावा वे 9 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब, 3 बार स ओपन खिताब और 2 बार फ्रैंच ओपन समेत 19 ग्रैंड स्लैम टाइटल जीत चुके हैं। वहीं, फेडरर ने करियर में 20 ग्रैंड स्लैम जीता है। इनमें 8 विम्बलडन, 6 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 5 यूएस ओपन और 1 फ्रेंच ओपन टाइटल शामिल हैं। नडाल ने भी 20 ग्रैंड स्लैम जीते हैं।माटेओ बेरेटिनी विम्बलडन में पहुंचने वाले पहले इटली के खिलाड़ी

सातवीं वरीयता प्राप्त इटली के माटेओ बेरेटिनी विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सेमीफाइनल में पोलैंड के हुबर्ट हुर्काज को 6-3, 6-0, 6-7, 6-4 से हरा दिया। हर्काज ने 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को हराकर पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफानइल में प्रवेश किया था।

बेरेटिनी 1976 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले इटली खिलाड़ी हैं। इससे पहले एड्रियानो पेनेटा ने 1976 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुचे थे। वहीं बेरेटिनी 2019 में स ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे और इस साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे। बेरेटनी ने पिछले महीने क्वीन्स क्लब का खिताब जीता था।

हार्दिक और क्रुणाल के बीच जिम में मुकाबला हुआ, 3 चैलेंज की शर्त लगी और नतीजा बराबरी

नयी दिल्ली वार्ता। भारतीय टीम को श्रीलंका दौरे पर 18 जुलाई से वनडे और टी-20 की सीरीज खेलना है। इससे पहले दो भाई हार्दिक और क्रुणाल पंड्या मस्ती के मूड में नजर आए हैं। दोनों ने जिम में जमकर पसीना बहाया। इसी दौरान दोनों के बीच 3 चैलेंज की शर्त भी लगी। हालांकि जीता कोई नहीं और शर्त बराबरी पर ही रह गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।भारत और श्रीलंका के बीच 3 वनडे 18, 20 और 23 जुलाई को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें 25, 27 और 29 जुलाई को टी-20 सीरीज खेलेंगी। सभी मैच कोलंबो को प्रेमदासा स्टेडियम में होंगे।दोनों भाई के बीच 'वॉल स्क्वॉट होल्ड' चैलेंज।

दोनों भाइयों के बीच पहला चैलेंज 'वॉल स्क्वॉट होल्ड' का था। इसमें दोनों भाइयों को बगैर कुर्सी के खंबे से टिककर घुटनों के बल बैठना था। यह टास्क क्रुणाल ने पूरा किया और छोटे भाई हार्दिक को हराया।हार्दिक और क्रुणाल के बीच दूसरा चैलेंज 'ग्लूट ब्रिज' था। इसमें दोनों भाइयों को उलटे लैटकर दोनों पैर कुछ देर तक बैंच पर रखने थे। इस चैलेंज में हार्दिक ने बाजी मारी और बड़े भाई को शिकस्त दी।'स्पिल्ट स्क्वॉट होल्ड' चैलेंज में दोनों भाई बराबरी पर रहे।

'स्पिल्ट स्क्वॉट होल्ड' चैलेंज में दोनों भाई बराबरी पर रहे।

तीसरा चैलेंज 'स्पिल्ट स्क्वॉट होल्ड' का था। दोनों भाइयों ने आपस में प्यार जताते हुए यह चैलेंज बराबरी पर छोड़ दिया। क्रुणाल ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें हार्दिक कह रहे हैं कि मैं बड़े भाई को जीतने दे सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैं कॉम्पीटिशन में हमेशा जीतना चाहता हूं।

वर्क-फ्रॉम-होम की वजह से लगातार बढ़ रही है मांग, लेकिन सप्लाई 45% तक घटी

नई दिल्ली वार्ता। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व मार्केट में पीसी शिपमेंट्स मांग लगातार बढ़ रही है। जिसकी वजह से क्त्ता 2021 चिप की कमी 45त्न (ऑन-ईयर) बढ़कर 7.56 करोड़ हो गई है। चिप की कमी से दूसरी छमाही में ब्रांडों और (ओरिजनल डिजाइन मैनुफैक्चर) के शिपमेंट शेड्यूल प्रभावित हो रहे हैं।

24त्न मार्केट शेयर के साथ, लेनोवो ने क्त्ता 2021 में फिर से पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद ॥ 23 और डेल 17 पर रहा।

वर्क-फॉम-होम से बढ़ रही मांग

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, पीसी मार्केट की ओवरऑल ग्रोथ मुख्य रूप से

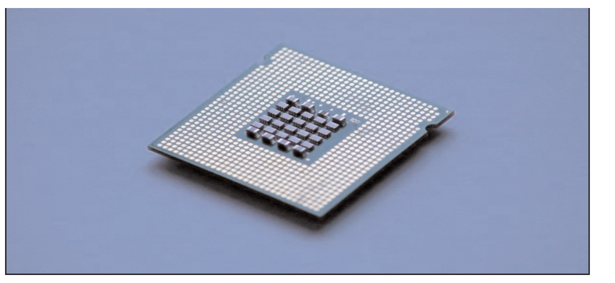

गेमिंग नोटबुक के बढ़ते चलन, वर्क-फॉम-होम और स्टडी-फ्रॉम-होम सेगमेंट की बढ़ती मांग है। जिसने क्रोमबुक की बिक्री में बढ़ोतरी की है।

टॉप 6 सेलर का मार्केट में बने रहने का अनुमान

वहीं त्त2 2021 में, क्क्ट शिपमेंट क्त्ता 2021 से इस तिमाही तक अधिक डिमांड की वजह से कम ज्यादा हो सकता है। सेमीकंडक्टर एंड कंपोनेंट्स टीम में रिसर्च एनालिस्ट विलियम ली का कहना है कि हमें विश्वास है कि टॉप 6 सेलर 85त्न से अधिक शेयर के साथ मार्केट में बने रहेंगे।

हालांकि, अभी भी पावर मैनेजमेंट डिस्प्ले ड्राइवर(डिस्प्ले पैनल के साथ) और ष्टक्क जैसे मेन कंपोनेंट की कमी का सामना कर रहे हैं। ली ने कहा, फ्हमने ऑर्डर (एंड-डिमांड) और एक्चुअल शिपमेंट के बीच 20 फीसदी से लेकरर 30 फीसदी तक का अंतर पाया है, जिसका मुख्य वजह ॥2 2020 से शुरू होने वाले कंपोनेंट की कमी है। कुछ चिप बेचने वालों ने यह भी कहा कि ऑडियो कोडेक ङ्घष्ट और लैन चिप की मांग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और इस साल की दूसरी छमाही में भी बनी रहेगी।2022 के अंत तक डिमांड सप्लाई के अंतर में होगी कमीब्रांड औरकमी को पूरी तरह से सही नहीं कर सकते हैं साथ ही ऑर्डर बैकलॉग को भी साफ नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट से उम्मीद है कि ॥1 2022 के अंत तक डिमांड सप्लाई का अंतर धीरे-धीरे नॉर्मल हो जाएगा।

इस वर्ष की दूसरी छमाही में, पिछली छमाही के मुकाबले गति जारी रहेगी। बैक-टू-स्कूल (कुछ वर्चुअल क्लास होंगी) की मांग के साथ-साथ ॥1 2021 से मांग बहुत ज्यादा हो जाएगी।

चिप शॉर्टेज की वजह क्या है?

जानकारों की माने तो कोविड-19 महामारी की वजह से चिप शॉर्टेज की समस?या से जूझना पड़ रहा है। कोरोना के दौर में दुनियाभर में सेल फोन?स और लैपटॉप समेत अन?य इलेक?ट्रॉनिक डिवाइसेज की मांग बढ़ी है। मार्च 2020 में लॉकडाउन की वजह से वाहन कंपनियों ने ऑर्डर को कैंसिल कर दिया था।

भर रहा सरकार का खजाना, प्रत्यक्ष कर संग्रह करीब दोगुना होकर 2.90 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली वार्ता। कोरोना महामारी के कारण देश की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह अब तक करीब दोगुना होकर 2.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इसमें 91 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आयकर सूत्रों के अनुसार प्रत्यक्ष कर संग्रह में बढ़ोतरी की मुख्य वजह निजी या वैयक्तिक आयकर और अग्रिम कर में वृद्धि के कारण हुई है। 1 अप्रैल से 3 जुलाई के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 2.49 लाख करोड़ रुपये रहा। जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.29 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह इसमें 91 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने का यह बड़ा संकेत माना जा सकता है।

वित्त वर्ष 2021-2022 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रहण में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है, जबकि कोरोना महामारी के कारण देश में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। चालू वित वर्ष 2021-22 में अब तक रिफंड के पूर्व देश का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रहण 2.86 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.94 लाख करोड़ रुपये रहा था।

आयकर विभाग को प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष कर में कंपनी आयकर, निजी आयकर , प्रतिभूति लेन-देन कर और एडवांस टैक्स शामिल है। बैंकों से अभी और जानकारियां मिलना बाकी हैं, इसलिए आंकड़ा और बढ़ने का अनुमान है।

आयकर विभाग को उम्मीद है कि कर संग्रह के आंकड़े उत्साहवर्धक हैं। उम्मीद है कि बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा तय लक्ष्यों को हासिल कर लिया जाएगा। देश में आर्थिक गतिविधियां बहाल होने से उम्मीद बढ़ी है। मुश्किल दौर के बाद भी 11.08 लाख करोड़ रुपये के बजट लक्ष्य को पा लिया जाएगा। मौजूदा कर संग्रहण के आंकड़े पहली तिमाही यानी अप्रैल, मई, जून के ही हैं।

रियलमी ने भारत में एक और एंट्री लेवल सी-सीरीज फोन किया पेश

नई दिल्ली वार्ता। अपनी सी-सीरीज लाइनअप का विस्तार करते हुए स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने शनिवार को भारत में एक नया स्मार्टफोन रियलमी सी11 2021 पेश किया, जिसकी कीमत 6,999 रुपये है। स्मार्टफोन 5000 एमएएच बैटरी, 6.5-इंच डिस्प्ले, 8एमपी प्राइमरी कैमरा और 2जीबी रैम और 32जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ आता है।

रियलमी इंडिया और यूरोप के वाइस प्रेसिडेंट, रियलमी और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर माधव शेठ ने एक बयान में कहा, रियलमी की एंट्री-लेवल सी सीरीज को भारत और वैश्विक स्तर पर हमारे यूजर्स से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

शेठ ने कहा, अब तक, हमारे पास वैश्विक स्तर पर 3.2 करोड़ रियलमी सीरीज के उपयोगकर्ता हैं और हमें विश्वास है कि रियलमी सी11 हमें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करेगा।स्मार्टफोन में यूएनआईएसओसीस का एससी9863ए, एक ऑक्टा-कोर प्रोसेसर है जो 1.6जीएचजैड आर्म कोर्टेक्स-अ55 प्रोसेसर आर्किटेक्चर के साथ आता है।

स्मार्टफोन एक ज्यामितीय डिजाइन के साथ आता है और बैक कवर ने उद्योग की अग्रणी जर्मन पांच-अक्ष सटीक रेडियम उत्कीर्णन मशीन का उपयोग करके बनावट को संसाधित किया है और एक विशेष प्रतिबिंबित प्रकाश प्रभाव बनाने के लिए 450 प्लस वक्र उत्कीर्ण हैं।कंपनी ने कहा कि इस तकनीक का उपयोग रियलमी सी11 2021 को ज्यादा रंगीन, आकर्षक, उपयोगकर्ता के हाथों में आरामदायक, उंगलियों के निशान के प्रति कम संवेदनशील और प्रभावी रूप से खरोंच और फिसलने से रोकता है।यह रियलमी डॉट कॉम, अमेजन डॉट कॉम और मेनलाइन चैनलों पर दो आकर्षक रंगों- कूल ब्लू और कूल ग्रे में उपलब्ध होगा।

अनिवार्य छुट्टी की योजना -बैंक अधिकारियों को अचानक भेजा जा सकता है छुट्टी पर

नई दिल्ली वार्ता। बैंकों में गड़बड़ियों को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक एक योजना बना रहा है। इसके तहत बैंक की सेंसिटिव जानकारी रखने वाले अधिकारियों को साल में एक बार अनिवार्य छुट्टी पर भेजा जा सकता है। यह फैसला भी अचानक ही होगा।रिजर्व बैंक ने बैंकों से कहा है कि वे इस तरह की अनिवार्य छुट्टी को लागू करें। इसके मुताबिक, जो अधिकारी सेंसिटव पोजीशन पर हैं, उनके लिए यह लागू होगा। इसमें इस तरह के अधिकारियों को अचानक कम से कम 10 दिनों की छुट्टी पर भेजा जा सकता है। हालांकि यह साल में एक ही बार होगा। इसके लिए बैंक अधिकारियों को पहले कोई जानकारी नहीं दी जाएगी।रिजर्व बैंक ने एक सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में उसने कहा कि सेंसिटिव पोस्ट मतलब ट्रेजरी में सीनियर पोजीशन, करेंसी में सीनियर पोजीशन, रिस्क मॉडलिंग आदि सेक्शन में यह लागू होगा। रिजर्व बैंक ने यह भी सलाह दी है कि बैंक यह सुनिश्चित करें कि बैंक कर्मचारी जब अनिवार्य छुट्?टी पर हों तो अपने काम से संबंधित वे बैंक में जाकर या ऑन लाइन किसी भी तरह से किसी भी चीज को एक्सेस न कर पाएं।

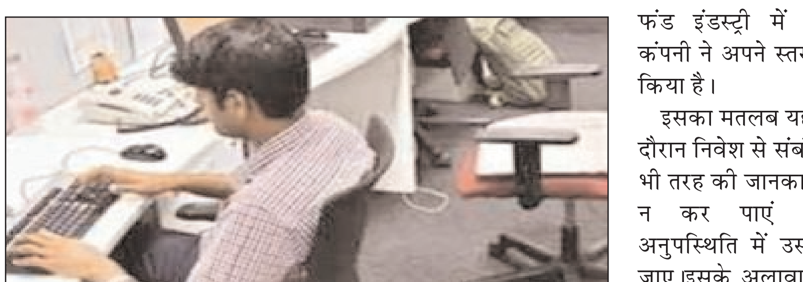

रिजर्व बैंक ने बैंकों को यह काम पूरा करने के लिए 6 महीने का समय दिया है। इस 6 महीने के दौरान सभी निजी और सरकारी बैंकों को यह नियम लागू करना होगा। वैसे बता दें कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में किसी-किसी कंपनी ने अपने स्तर पर इसे लागू किया है।

इसका मतलब यह है कि वे उस दौरान निवेश से संबंधित या किसी भी तरह की जानकारी को हासिल न कर पाएं और उनकी अनुपस्थिति में उसकी जांच हो जाए।इसके अलावा कई बैंकों में भी इसी तरह के नियम पहले से लागू हैं। कुछ निजी बैंकों में भी ऐसा नियम पहले से है। यह प्रैक्टिस वैश्विक लेवल पर है। इसीलिए रिजर्व बैंक ने बैंकों से कहा है कि वे अब इसे लागू करें। इसका मतलब होता है कि अगर कोई कर्मचारी कोई गड़बड़ी कर रहा है तो उसकी अनुपस्थिति में इन गड़बड़ियों का पता लगाया जा सकेगा।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर देश का विदेशी मुद्रा भंडार, स्वर्ण भंडार में भी उछाल

नई दिल्ली वार्ता। दो जुलाई 2021 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.013 अरब डॉलर बढ़कर 610.012 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार 25 जून को समाप्त इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.066 अरब डॉलर बढ़कर 608.999 अरब डॉलर हो गया था। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि की वजह विदेशी मुद्रा संपत्तियों (एफसीए) में हुई बढ़ोतरी है जो समग्र भंडार का प्रमुख घटक है। इस दौरान एफसीए 74.8 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 566.988 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के लिहाज से बताई जाने वाली विदेशी मुद्रा संपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

बिहार में जनादेश का अपहरणकर्ता अपराधियों का रोल मॉडल : लालू

श्री यादव ने रविवार को ट्वीट किया, बिहार में महज 120 दिनों में दर्ज हुए अपहरण के तीन हजार 565 मामले

पटना वार्ता। चारा घोटाला मामले में तीन साल से अधिक की सजा काटने के बाद जमानत पर बाहर आए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने बिहार में आपराधिक वारदातों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लिए बिना उनपर हमला बोला और कहा कि जनादेश का अपहरणकर्ता ही संगठित अपराधियों का रोल मॉडल है।

श्री यादव ने रविवार को ट्वीट किया, बिहार में महज 120 दिनों में दर्ज हुए अपहरण के तीन हजार 565 मामले । जनादेश का अपहरणकर्ता ही इन संगठित अपराधियों का रोल मॉडल और संरक्षक है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता एवं श्री यादव के पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी भागलपुर से सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसद के घर के मुख्य द्वार के निकट से कुख्यात कांट्रैक्ट किलर की हुई गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपराधियों का संरक्षक बताया था । उन्होंने ट्वीट किया, नीतीश कुमार के सांसद कांट्रैक्ट किलर और दुर्दांत हत्यारों को अपने आवास में छुपा कर रखते हैं। पकड़े जाने पर कहते हैं यह अपराधी ही मेरे भगवान हैं। बिहार में अपराधियों के सबसे बड़े संरक्षक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी इस उपलब्धि पर फूले नहीं समा रहे हैं। मजाल है कोई उनसे इस पर सवाल करें।

नीतीश अपराधियों के संरक्षक : तेजस्वी

पटना वार्ता। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भागलपुर से सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सांसद के घर के दरवाजे से कुख्यात कांट्रैक्ट किलर की हुई गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपराधियों का संरक्षक करार दिया है।

श्री यादव ने ट्वीट किया, नीतीश कुमार के सांसद कांट्रैक्ट किलर और दुर्दांत हत्यारों को अपने आवास में छुपा कर रखते हैं। पकड़े जाने पर कहते हैं यह अपराधी ही मेरे भगवान हैं। बिहार में अपराधियों के सबसे बड़े संरक्षक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी इस उपलब्धि पर फूले नहीं समा रहे हैं। मजाल है कोई उनसे इस पर सवाल करें।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को भागलपुर से जदयू के सांसद अजय मंडल के घोघा स्थित आवास के बाहर से पुलिस ने कुख्यात अपराधी कपिल यादव को गिरफ्तार किया था। सांसद ने इस मामले में स्वयं को निर्दोष बताते हुए कहा था कि वह नहीं जानते थे कि वह (कपिल) अपराधी है, मेरे लिए घर आया हर व्यक्ति भगवान की तरह है। सांसद के इसी बयान को लेकर सरकार को घेरने के लिए विपक्ष को मुद्दा मिल गया है।

चिराग का प्रधानमंत्री मोदी से हुआ मोहभंग

पटना वार्ता। केंद्र के मोदी मंत्रिमंडल ने हाजीपुर से लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) सांसद एवं चाचा पशुपति कुमार पारस को पार्टी के कोटे से मंत्री बनाए जाने से नाराज सांसद एवं (चिराग गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का अपने राम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लगभग मोहभंग हो चुका है।कल तक खुद को श्री मोदी का हनुमान बताने वाले श्री चिराग पासवान अब उनकी बात नहीं करते। इन सबके बीच श्री पासवान और बिहार की मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के बीच रिश्ते मजबूत होते नजर आने लगे हैं।

पिछले कुछ दिनों से राजद के तमाम नेता यह बयान देते रहे हैं कि श्री पासवान को राजद से हाथ मिला लेना चाहिए। इन बयानों के बीच राजद के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री श्याम रजक ने श्री पासवान से उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर कल मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच इस मुलाकात के दौरान क्या बातें हुई ,यह पता नहीं चल सका है।

सीरिया में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला

दमिश्क, वार्ता। सीरिया के डीर एज-जोर प्रांत में एक और अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला हुआ है।सना समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि उमर तेल क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर रॉकेट हमला हुआ है।इससे पहले सीरिया के पूर्व में अमेरिकी सेना पर शनिवार को एक हमला हुआ था।सना ने एक अमेरिकी सैन्य अड्डे के पूर्व में कोनोको गैस कारखाने में हुए एक विस्फोट की भी सूचना दी।पेंटागन के एक अधिकारी ने बाद में पुष्टि की कि अमेरिकी सेना सीरिया में 'एक अप्रत्यक्ष गोलीबारी' की जद में आयी थी।

चीन हमारा दोस्त है और उइगर आतंकवादियों को अफगानिस्तान में नहीं पनपने देंगे: तालिबान

कंधार, वार्ता। अफगानिस्तान के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर चुके आतंकवादी संगठन तालिबान ने चीन को अपना दोस्त बताते हुए यहां पुनर्निर्माण कार्यों में चीनी निवेश की उम्मीद जाहिर की है और यह वादा भी किया है कि उइगर आतंकवादियों को अफगानिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा। चीनी समाचार पत्र साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट को दिए एक साक्षात्कार में तालिबानी प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने बताया कि अफगानिस्तान के 85 प्रतिशत हिस्से पर तालिबानियों का कब्जा है और यहां आने वाले हर चीनी निवेशक और कर्मचारियों को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी और अन्य विदेशी सैनिकों की वापसी के चंद दिनों बाद ही अफगानिस्तान के अधिकतर हिस्सों पर तालिबानी आतंकवादियों ने कब्जा कर लिया है। तालिबानी वर्चस्व को देखते हुए स्थानीय लोग दहशत में हैं और उनके पलायन करने की रिपोर्ट भी मिल रही हैं। यहां पिछले दो दशकों से अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से अफगानिस्तान में काफी हद तक हिंसा पर काबू पा लिया गया था और लोग बेखौफ जी रहे थे। शाहीन ने यह भी कहा कि शिनिजियांग प्रांत में चीन के खिलाफ विरोध का स्वर उठा रहे उइगर आतंकवादियों को अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा।

तालिबान का यह बयान ऐसे समय आया है जब अफगानिस्तान को ईस्ट तुर्कमेनिस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) का केन्द्र बनने को लेकर चीन ने चिंता जाहिर की थी क्योंकि यह अलगाववादी संगठन शिनिजियांग प्रांत में आतंकवादी गातिविधियों को अंजाम दे रहा है और इसने चीन की नींद उड़ा रखी है। चीन ने अमेरिका की इस बात को लेकर भी कड़ी आलोचना की है कि उसने बहुत ही जल्दबाजी में अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है जिससे वहां शांति प्रकिया खतरे में पड़ गयी है। पिछले सप्ताह चीन ने अफगानिस्तान से एक चार्टर्ड विमान के जरिये अपने 210 नागरिकों को बाहर निकाला था।

अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा के लिए चीनी विदेश मंत्री मध्य एशियाई देशों के दौरे पर

बीजिंग, वार्ता। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी और इसके बाद वहां तालिबान के बढ़ते वर्चस्व से स्थानीय लोगों में दहशत , सुरक्षा हालात तथा अन्य मसलों पर चर्चा करने के लिए चीनी विदेश मंत्री वांग यी 12 जुलाई से मध्य एशियाई देशों के दौर पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बताया कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी 12 से 16 जुलाई के बीच तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की यात्रा पर जाएंगे। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने चीनी विदेश मंत्री को आमंत्रित किया है। समाचार पत्र 'द ग्लोबल टाइम्स 'के अनुसार अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए चीन के समक्ष चुनौतियां और खतरे दोनों ही है और अफगानिस्तान के मसले को शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) में शामिल कर चीन न केवल वहां के हालातों को सामान्य होने में मदद कर सकता है बल्कि चीन और अन्य मध्य एशियाई देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत कर सकता है।प्रवक्ता ने बताया कि चीनी विदेश मंत्री इस यात्रा के दौरान एससीओ- अफगानिस्तान संपर्क समूह के मंत्रियों तथा अधिकारियों से बातचीत करेंगे और क्षेत्रीय स्थिरता तथा सुरक्षा के मसले पर आपसी विचार साझा करेंगे ताकि अफगानिस्तान में संबद्ध पक्षों के बीच शांति समन्वय की प्रकिया को बढ़ावा दिया जा सके।

हैती के राष्ट्रपति को मारने से पहले किया गया था टार्चर: कार्यवाहक प्रधानमंत्री

वाशिंगटन,वार्ता। हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री क्लाडे जोसेफ ने कहा कि राष्ट्रपति जोविनल मौसे की हत्या करने से पहले भाड़े के विदेशी सैनिकों ने उन्हें काफी टार्चर किया था

श्री मौसे और उनकी पत्नी को बुधवार को कम से कम 20 बंदूकधारियों ने उनके निजी आवास पर घेर लिया था और श्री मौसे को कम से कम 12 गोलियां मारी गई थी । इस घटना में उनकी पत्नी भी बुरी तरह घायल हैं जिन्हें मियामी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।श्री जोसफ ने एबीसी को दिए एक साक्षात्कार में बताया भाड़े के विदेशी सैनिकों ने श्री मौसे के निजी आवास पर तड़के धावा बोल दिया और काफी देर तक टार्चर करने के बाद उनकी गोली मार कर हत्या कर दी थी लेकिन जिन लोगों ने यह काम किया है उन्हें कतई बख्शा नहीं जाएगा।

शहबाज ने एफआईए पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप

लाहौर,वार्ता। पाकिस्तान मुस्लिम लीग(नवाज) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने संघीय जांच एजेंसी(एफआईए) पर आरोप लगाया है कि जब वह पिछले माह अरबों रुपये के चीनी घोटाला मामले में सुनवाई के दौरान उपस्थित हुए थे तो उनके साथ बुरा सलूक किया गया था।श्री शहबाज ने यह आरोप शनिवार को लगाया। उधर एफआईए ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि ये पूरी तरह बेबुनियाद है और श्री शरीफ का रवैया बहुत ही गैरजिम्मेदाराना, अगंभीर और मामले से बचने का रहा है और उन्होंने जांच एजेंसी को कोई सहयोग नहीं दिया है।श्री शरीफ ने शनिवार को सत्र अदालत में अपने बेटे हमजा के साथ अपनी जमानत अवधि में बढ़ोत्तरी पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि जब वह जून में सुनवाई के लिए आए थे तो उनके साथ बदसलूकी की गई थी।

अफगानिस्तान से शरणार्थियों के आने के मद्देनजर पाकिस्तान ने सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई

इस्लामाबाद,वार्ता। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी और तालिबान के बढ़ते वर्चस्व के बाद वहां से शरणार्थियों के पाकिस्तान में आने के मद्देनजर सेना ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पाकिस्तानी सेना की इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस इकाई के महानिदेशक मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने कहा है कि अफगानिस्तान के हालात पर उनका देश लगातार नजर बनाए हुए हैं और सीमा पर लगातार सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा रही है।समाचार पत्र द डान ने उनके हवाले से कहा है अभी तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा के 90 प्रतिशत हिस्से की तारबंदी कर दी गई है और इस समय सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है तथा पाकिस्तान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

देश में कोरोना के दैनिक मामलों में मामूली गिरावट

देश में अब तक 37 करोड़ 57 लाख 70 हजार 291 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है

नयी दिल्ली वार्ता। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के दैनिक मामलों में मामूली गिरावट दर्ज की गयी, लेकिन राहत की बात यह रही कि इससे ठीक होने वाले लोगों की संख्या वायरस की चपेट में आने वाले लोगों से थोड़ी अधिक रही तथा मौतों का आंकड़ा एक बार फिर हजार के नीचे आ गया।

इस बीच शनिवार को 37 लाख 23 हजार 267 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 37 करोड़ 57 लाख 70 हजार 291 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 40,611 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ आठ लाख 36 हजार 327 हो गया है। इस दौरान 41हजार 526 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर दो करोड़ 99 लाख 75 हजार 064 हो गयी है। सक्रिय मामले 915 घटकर चार लाख 54 हजार 118 हो गये हैं। इसी अवधि में 895 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख आठ हजार 040 हो गया है।

देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 1.47 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 97.20 फीसदी और मृत्यु दर 1.32 हो गयी है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 1776 बढ़ने के बाद यह संख्या 117270 हो गयी है। इसी दौरान राज्य में 6026 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5906466 हो गयी है जबकि 494 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 125528 हो गया है।

केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 2111 बढ़कर 115706 हो गये हैं तथा 11867 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2922921 हो गयी है जबकि 109 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 14489 हो गयी है।

कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 765 कम होकर 37164 रह गए हैं। वहीं 48 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 35779 हो गया है। राज्य में अब तक 2796377 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 447 घटकर 32767 रह गयी है तथा 49 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 33371 हो गयी है। वहीं 2449873 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 29262 रह गये हैं। राज्य में कोरोना को मात देने वालों की तादाद 1877930 हो गयी है जबकि 12986 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 386 घटकर 15304 रह गये हैं और इस महामारी के संक्रमण से कुल 178903 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 1477998 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

तेलंगाना में सक्रिय मामले 218 घटकर 10724 हो गये हैं, जबकि अब तक 3725 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 616769 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। छत्तीसगढ़ में कोरोना के सक्रिय मामले 131 घटकर 4862 हो गये हैं। वहीं 979448 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं जबकि तीन और मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 13473 हो गयी है।

पंजाब में सक्रिय मामले 135 घटकर 1674 रह गये हैं तथा संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 579618 हो गयी है जबकि 16177 मरीजों की जान जा चुकी है।गुजरात में सक्रिय मामले 205 घटकर 1151 रह गये हैं तथा अब तक 10073 लोगों की मौत हुई है, वहीं 812976 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें येदियुरप्पा: कांग्रेस

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस ने कहा है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पद का दुरूपयोग कर रहे हैं और उनके परिवार के सदस्य भ्रष्टाचार में लिप्त हैं इसलिए श्री येदियुरप्पा को पद से इस्तीफा देना चाहिए और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की देखरेख में आरोपों की जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस के तमिलनाडु, पुड्डुचेरी तथा गोवा के प्रभारी दिनेश गुंडू राव और पार्टी प्रवक्ता गौरव बल्लव ने रविवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री येदयुरप्पा सत्ता और पद का दुरुपयोग कर रहे हैं और उनके परिवार के सदस्य सरकारी काम में हस्तक्षेप कर रहे है। घोटाला, भ्रष्टाचार और पद का दुरुपयोग राज्य में आये दिन की कहानी बन गई है।

उन्होंने कहा कि एक ताजा मामले में कुछ स्थानीय समाचार पत्रों और चैनलों ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष से पद पर नियुक्ति के बदले 16 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने का खुलासा किया है। उनका कहना था कि इन सब आरोपों के मद्देनजर सबसे पहले श्री येदियुरप्पा को नैतिकता के आधार पर पद से इस्तीफा देना चाहिए।प्रवक्ता ने कहा कि श्री येदियुरप्पा के इस्तीफा देने के साथ ही मामले की उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की देखरेख में जांच करायी जानी चाहिए ताकि आरोपियों को सजा मिल सके। पार्टी ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग से भी इस मामले की जांच कर सच्चाई सामने लाने का आग्रह किया है।

श्रीशैलम जलाश्य की क्षमता बढ़ाने पर रोक लगाए जगन मोहन : तेदेपा

विजयवाड़ा वार्ता। तेलुगू देशम पार्टी(तेदेपा) के तीन विधायकों ने रविवार को मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी से श्रीशैलम में रायलसीमा लिफ्ट सिंचाई परियोजना (आरएलआईपी) की क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव पर तत्काल रोक लगाने की अपील की।

तेदेपा विधायक येलुरी संबाशिव राव, डोला बाला वीरंजनेय स्वामी और गोट्टीपति रवि कुमार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि प्रकाशम जिले में सूखा और पानी की अत्यंत कमी है। वहीं श्रीशैलम जलाशय परियोजना की क्षमता और बढ़ाने से निचले नागार्जुन सागर जलाशय में पानी का स्तर बहुत कम हो जाएगा।

उन्होंने कहा, इससे प्रकाशम जिले के पहले से ही पीड़ित किसानों को बहुत बड़ा झटका लगेगा जो कि सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों के लिए सागर जलाशय के पानी पर निर्भर हैं।

नायडू ने दी जगन्नाथ रथ-यात्रा की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली वार्ता। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देशवासियों को भगवान जगन्नाथ रथ-यात्रा की शुभकामनाएं दी है।

श्री नायडू ने रविवार को यहां जारी एक संदेश में कहा कि ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक रथ-यात्रा स्थानीय और सम्पूर्ण भारत के श्रद्धालुओं के लिए बहुप्रतीक्षित भावपूर्ण अवसर होता है। रथ-यात्रा हमारे विविधपूर्ण और समावेशी लोकाचार का प्रतीक है और भगवान जगन्नाथ के भक्तों के लिए इसका गहरा आध्यात्मिक महत्व है।उन्होंने कहा, रथयात्रा के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।उप राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान जगन्नाथ, बलराम जी तथा सुभद्रा जी के भव्य रथ, अखिल ब्रह्मांड में ईश्वरीय दिव्यता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी भारत और शेष विश्व कोविड-19 के कारण एक अभूतपूर्व स्थिति का सामना कर रहा है, इसलिए सभी नागरिकों से अपील है कि वे कोविड सुरक्षा के लिए निर्धारित मानदंडों का पालन करते हुए रथयात्रा उत्सव को अत्यंत सावधानीपूर्वक मनायें।श्री नायडू ने कहा, रथयात्रा के पवित्र और महान आदर्श, हमारे जीवन को शांति, सद्भाव, स्वास्थ्य और खुशी से समृद्ध करें ।

बिहार में रेल पुलों पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने से 12 ट्रेनें रद्द, 17 का मार्ग बदला

हाजीपुर वार्ता। बिहार में पूर्व-मध्य रेल (ईसीआर) के समस्तीपुर मंडल में दो अलग-अलग रेल पुलों पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने से यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आज बारह विशेष ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया वहीं 17 गाड़ियों को मार्ग बदलकर चलाया जा रहा है।

ईसीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने रविवार को बताया कि समस्तीपुर मंडल के दरभंगा-समस्तीपुर रेलखंड के मुक्तापुर-समस्तीपुर स्टेशन (डाउन लाइन) के मध्य रेल पुल संख्या एक पर बाढ़ के पानी के बढ़ते स्तर को देखते हुए यात्री सुरक्षा के मद्देनजर दरभंगा, सीतामढ़ी और जयनगर स्टेशनों से 12 जुलाई को खुलने या पहुंचने वाली छह विशेष ट्रेन का परिचालन रद्द किया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में जयनगर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 03225 जयनगर-राजेंद्रनगर टर्मिनल विशेष ट्रेन, राजेंद्रनगर टर्मिनल से खुलने वाली 03226 राजेंद्रनगर टर्मिनल-जयनगर, जयनगर से खुलने वाली 05554 जयनगर-भागलपुर, भागलपुर से खुलने वाली 05553 भागलपुर-जयनगर, मनिहारी से खुलने वाली 05283 मनिहारी-जयनगर और जयनगर से खुलने वाली 05284 जयनगर-मनिहारी विशेष ट्रेन शामिल हैं।

श्री कुमार ने बताया कि इसी तरह समस्तीपुर मंडल के ही सगौली-मझौलिया स्टेशनों के मध्य रेल पुल संख्या 248 पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने से छह विशेष ट्रेनें रद्द की गई हैं। इनमें मुजफ्फरपुर से खुलने वाली 05161 मुजफ्फरपुर-मंडुआडीह, मंडुआडीह से खुलने वाली 05162 मंडुआडीह-मुजफ्फरपुर, नरकटियागंज से खुलने वाली 05216 नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर, नरकटियागंज से खुलने वाली 05210 नरकटियागंज-रक्सौल, मुजफ्फरपुर से खुलने वाली 05215 मुजफ्फरपुर- नरकटियागंज और रक्सौल से खुलने वाली 05209 रक्सौल-नरकटियागंज विशेष ट्रेन शामिल हैं।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मुक्तापुर-समस्तीपुर स्टेशन (डाउन लाइन) के बीच रेल पुल संख्या एक और सगौली-मझौलिया स्टेशनों के बीच रेल पुल संख्या 248 गुजरने वाली 17 विशेष ट्रेनों को मार्ग परिवर्तित कर चलाया जा रहा है। इनमें 11 जुलाई को सीतामढ़ी से खुलने वाली 03166 सीतामढ़ी-कोलकाता स्पेशल ट्रेन दरभंगा-सीतामढ़ी- मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर होकर तथा 12 जुलाई को दरभंगा से खुलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष ट्रेन दरभंगा-सीतामढ़ी-सिकटा-नरकटियागंज होकर, दरभंगा से खुलने वाली 09166 दरभंगा-अहमदाबाद बदले परिवर्तित मार्ग दरभंगा-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर होकर, सीतामढ़ी से खुलने वाली 03156 सीतामढ़ी-कोलकाता परिवर्तित मार्ग सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर होकर और दरभंगा से खुलने वाली 05211 दरभंगा-अमृतसर परिवर्तित मार्ग सीतामढ़ी-सिकटा-नरकटियागंज होकर चलाई जाएगी।

भाजपा-कांग्रेस के बीच चक्की की तरह पिस रही है जनता : केजरीवाल

देहरादून वार्ता। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और कांग्रेस दोनों उस चक्की की तरह हैं जिनके दो पाटों के बीच यहां की जनता पिस रही है।

श्री केजरीवाल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उत्तराखंड के लोग अच्छे , मेहनती और ईमानदार हैं, लेकिन यहां के नेताओं और पार्टियों ने इन्हें बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड में दो पार्टियां है। जिनके बीच चक्की के दो पाटों की तरह उत्तराखंड की जनता पिस रही है।

श्री केजरीवाल ने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने आपस में सेटिंग्स कर रखी है। एक साल तुम, एक साल हम। भाजपा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के पास मुख्यमंत्री ही नहीं है। पहली बार ऐसा हुआ है , जब कोई पार्टी अपने ही मुख्यमंत्री को बेकार कह रही है। वहीं कांग्रेस एक महीने से विपक्ष का नेता ही नहीं चुन पा रही है। इन पार्टियों को जनता के विकास से कोई लेना देना नहीं है। लोगों की आमदनी बढ़ नहीं रही, खर्चे बढ़ते जा रहे हैं।अगले वर्ष उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने कहा , मैं बिजली के क्षेत्र में चार बातों की गारंटी देकर जा रहा हूं। पहली ,दिल्ली की तरह उत्तराखंड में हर परिवार को 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे। दिल्ली में 200 यूनिट फ्री है। दूसरी , हमारे कार्यकर्ता घर-घर जा रहे हैं। तमाम ऐसे बिजली बिल देखने को मिले जो गलत भेजे जा रहे हैं। लोग चक्कर काट रहे हैं। लिहाजा पुराने बिल माफ किए जाएंगे। तीसरी , कोई पावर कट नहीं लगेगा। उत्तराखंड में 24 घंटे बिजली देंगे। दिल्ली में जब मैं मुख्यमंत्री बना था , उस दौरान गर्मियों में आठ घंटे का पावर कट होता था। हमने घर-घर जाकर काम करवाया। आज दिल्ली में 24 घंटे बिजली है। चौथी , उत्तराखंड के किसानों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। आज किसान गरीब है। अगर उसे ये लाभ देंगे तो उनकी जिंदगी आसान होगी।श्री केजरीवाल ने वादा किया कि आप की बनने के बाद पहली कलम से ये चार घोषणाएं लागू कर दी जाएगी। केवल 24 घंटे बिजली देने के मामले में 3-4 साल का समय लगेगा। उन्होंने कह , मैं समझता हूं कि आज की इस घोषणा के बाद यहां के लोग खुश होंगे।उत्तराखंड सरकार के घाटे में चलने के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जब दिल्ली में हमारी सरकार बनी थी तो वह भी घाटे में थी। आज देश में केवल दिल्ली की सरकार लाभ में है।श्री केजरीवाल ने कहा कि उत्तराखंड के हर परिवार से कोई न कोई दिल्ली में रहता है। जो काम 70 साल में सभी पार्टियां नहीं कर पाई, वह आज दिल्ली में हो रहा है। वैसा ही विकास यहां उत्तराखंड में भी होगा। उन्होंने कहा, मैं उत्तराखंड के लोगों को भरोसा दिलाना चाहूंगा कि जो काम दिल्ली में किये , वो तो करेंगे ही, इसके अलावा और काम भी करेंगे। केजरीवाल जो कहता है, वो करता है।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विश्नू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

*संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी, R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com फोन-0522-4029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)